

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान, सेवा समर्पण,का सम्मान है : नितेश

आंगन मिलन के माध्यम से सेवा और संवाद का संदेश, लोहारा मंडल के तीन गांवों में पहुंचा सेवा संकल्प अभियान

कवर्धा। सेवा, संवाद और जनसरोकार को केंद्र में रखकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत लोहारा मंडल के ग्राम बांधा टोला, लखनपुर एवं लोहारा नवपारा में आंगनवाड़ी केंद्रों पर आयोजित 'आंगन मिलन' कार्यक्रम में उपस्थित होकर ग्रामीणों, माताओं-बहनों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, मितानिनों एवं बच्चों से आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री, भाजपा कवर्धा नितेश अग्रवाल ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र केवल बच्चों की देखभाल और पोषण का केंद्र नहीं, बल्कि गांव के सामाजिक जीवन और मातृशक्ति से सीधे जुड़े वाला महत्वपूर्ण केंद्र है। सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उनकी आवश्यकताओं को समझना और सेवा के संकल्प को और मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं, बच्चों, माताओं और ग्रामीण परिवारों के कल्याण के लिए



अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का वास्तविक प्रभाव तभी सार्थक होता है, जब उनका लाभ समाज के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। 'आंगन मिलन' जैसे कार्यक्रम इसी सेवा और

संवाद की भावना को गांव-गांव तक पहुंचाने का माध्यम हैं। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं मितानिनों के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए उनके साथ संवाद किया गया तथा ग्रामीणों से भी स्थानीय

विषयों और आवश्यकताओं को लेकर आत्मीय चर्चा की गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण जन, माताएं-बहनें एवं बच्चे कार्यक्रम में सहभागी बने। लोहारा नवपारा के कार्यक्रम में विशेष रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, मंडल प्रभारी श्री कृष्ण कुमार वैष्णव, जिला भाजपा उपाध्यक्ष श्री परेतन वर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष लाला राम साहू, मंडल महामंत्री जलेश्वर वर्मा, शिवचरण पटेल, जनपद उपाध्यक्ष अशोक पटेल, हेमंत साहू, श्रीमती शकुन जायसवाल, श्रीमती शिवकुमारी सोनी, राजेन्द्र पाल, त्रिलोचन साहू, सत्यप्रकाश तिवारी, अवध यादव, परियोजना अधिकारी सुश्री रीना ठाकुर सहित विभाग कर्मचारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मितानिन एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। आंगन मिलन के माध्यम से गांव की चौखट तक पहुंचता सेवा का संकल्प, जन-जन से जुड़ता संवाद और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव-यही सेवा संकल्प अभियान की मूल भावना है।

गिधौरी में बाढ़ का तांडव, चारों तरफ जलमग्न, घर-दुकानों में घुसा पानी

● शबरी सेतु पर पांच फीट पानी, कई मार्ग बंद; सैकड़ों घर-दुकान प्रभावित



बलौदाबाजार। जिले के ग्राम गिधौरी में शनिवार को महानदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से बाढ़ ने रौद्र रूप ले लिया। देखते ही देखते गांव के निचले हिस्से जलमग्न हो गए और सैकड़ों घरों व दुकानों में करीब आठ फीट तक पानी भर गया। बाढ़ की आशंका को देखते हुए कुछ दुकानदारों ने पहले ही सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया, जबकि कई व्यापारी आनन-फ़ानन में सामान समेटते नजर आए। गिधौरी-शिवरीनारायण मार्ग स्थित महानदी के शबरी सेतु पर करीब पांच फीट पानी ऊपर बहने से आवागमन पूरी तरह बंद रहा। गिधौरी-बलौदाबाजार-रायपुर मार्ग पर वर्मा ढबा के पास करीब तीन फीट, गिधौरी-टुण्डरा मार्ग पर चार फीट, घटमडवा नाला-

सारेगढ़ मार्ग पर करीब दस फीट तथा परसपाली नाला में करीब सात फीट पानी होने से सभी प्रमुख मार्ग बाधित रहे। बाढ़ के तेज बहाव में कई कार और बाइक भी डूब गईं। वट विश्राम रोड स्थित एक मकान में सात लोग बाढ़ में फंस गए, जिन्होंने रात छत के सहारे बिताई। निचले इलाकों के ग्रामीणों ने सुरक्षित स्थानों और दूसरे घरों में शरण ली। प्रशासन ने लोगों

को अलर्ट करते हुए सुस्था व्यवस्था बढ़ाई। तहसीलदार युवराज कुरें सहित जनप्रतिनिधि फल-फल की स्थिति पर नजर बनाए रहे। दोपहर बाद जलस्तर धीरे-धीरे घटा और शाम तक करीब डेढ़ से दो फीट पानी कम हुआ, लेकिन गांव में आवागमन अब भी बाधित रहा। पुलिस और राजस्व विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं।

SIR के विरोध में जिला कांग्रेस का प्रदर्शन, कलेक्ट्रेट घेराव के लिए निकाला पैदल मार्च

बलौदाबाजार। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी बलौदाबाजार द्वारा स्ट्रोक के मुद्दे को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमित्रा घृतलहरे के नेतृत्व में सोमवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। राजीव भवन, गार्डन चौक से कांग्रेसजनों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय घेराव के लिए पैदल मार्च निकाला। प्रदर्शन में विधायक इंद्र साव, पाट्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष सैलेश नितिन त्रिवेदी, पूर्व विधायक जनकराम वर्मा एवं शकुंतला साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर, पूर्व मंत्री अध्यक्ष तुलसी राम वर्मा, महिला कांग्रेस नेत्री प्रेमशिला नायक एवं लक्ष्मी साहू, भाटपारा शहर ब्लॉक अध्यक्ष दिवाकर मिश्रा, जिला प्रवक्ता डॉ. फास्की की सहित सभी वक्ताओं ने स्ट्रोक के विषय



में सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने स्ट्रोक की प्रक्रिया, मतदाता सूची के पुनरीक्षण तथा चुनावी व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर सवाल उठाए। वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहना चाहिए तथा पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्षित नियमों के अनुरूप होनी चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए उनके

इस्तीफे तथा स्ट्रोक से जुड़े निर्णयों की समीक्षा की मांग की। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री लखेश साहू ने किया। उन्होंने स्ट्रोक से संबंधित तथ्यात्मक आंकड़े प्रस्तुत किए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसजनों ने नारेबाजी करते हुए ज्ञानेश कुमार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पुतलों का दहन किया तथा लोकतांत्रिक एवं चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

वनांचल क्षेत्र बोड़ला के 113 महिलाओं का निःशुल्क सोनोग्राफी और 121 मरीजों की एनसीडी जांच, 253 मरीजों का हुआ ओपीडी पंजीयन विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी सेवाएं, निःशुल्क दवाइयों का वितरण और 15 लोगों ने किया रक्तदान

कवर्धा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के निर्देश पर विकासखंड बोड़ला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में विशाल मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। शिविर में 253 मरीजों का ओपीडी पंजीयन किया गया। वहीं 113 महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी, 121 मरीजों की एनसीडी जांच सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं उपचार की सुविधाएं प्रदान की गईं। शिविर का शुभारंभ पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुवें, नगर पंचायत अध्यक्ष विजय पाटिल, जनपद अध्यक्ष श्रीमती



बालका रामकिंकर वर्मा, छोट्ट निर्मलकर, दुर्गाश वर्मा, सभापति संदीप गुप्ता एवं नरेश चंदवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुवें ने उपस्थित जनसमुदाय एवं मेडिकल कॉलेज से

आए छात्र-छात्राओं को विकसित भारत की परिकल्पना तथा सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीके तुरे एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती अनुपमा तिवारी के निर्देशानुसार

जिले के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने शिविर में अपनी सेवाएं दीं। चिकित्सकों द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक जांच की गई तथा जरूरत के अनुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर में महिलाओं, बुजुर्गों सहित विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। मेगा स्वास्थ्य शिविर में कुल 253 मरीजों का ओपीडी पंजीयन हुआ। इसके अलावा 27 हितग्राहियों के आयुष्मान वय वंदन कार्ड, 121 मरीजों की एनसीडी जांच, 113 महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी एवं महिला विशेषज्ञ चिकित्सक से जांच, 110 मरीजों की पैथोलॉजी जांच, 55 मरीजों की नेत्र रोग जांच, 35 मरीजों की दंत रोग

जांच, 35 मरीजों की अस्थि रोग जांच, 30 मरीजों की क्षय रोग जांच तथा 22 मरीजों की एक्स-रे जांच की गई। शिविर में 125 लोगों को अन्य स्वास्थ्य जांच एवं उपचार की सुविधा मिली। इस दौरान 15 लोगों ने रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्धता में अपना योगदान दिया। मेगा स्वास्थ्य शिविर के सप्ताह संचालन में विकासखंड के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम सिंह राजपूत, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सा अधिकारी, शिव गोपाल ठाकुर, बीपीएम, बीटीओ, ग्रामीण चिकित्सा सहायक, सेक्टर सुपरवाइजर, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक।

घर में घुसकर मारपीट और गाली-गलौज का आरोप, पीड़ित दंपती ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

बलौदा बाजार। जिले के कसडोल थाना क्षेत्र के ग्राम कोट में घर में घुसकर मारपीट और गाली-गलौज किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित बसंत कुमार यादव और उनकी पत्नी शांता बाई यादव ने गांव के ही कुछ लोगों पर घर में घुसकर मारपीट करने तथा गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है। पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना के संबंध में 25 सितंबर 2026 को कसडोल थाने में आवेदन दिया गया था, लेकिन उन्हें आवेदन की पावती नहीं दी गई और अब तक कार्यवाही की जानकारी भी नहीं मिली। इससे परेशान होकर पीड़ित दंपती ने 28 सितंबर को पुलिस अधीक्षक, बलौदाबाजार-भाटपारा के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर न्याय की गुहार



लगाई है। पुलिस अधीक्षक को दिए गए आवेदन के अनुसार, बसंत कुमार यादव ने आरोप लगाया है कि 24 सितंबर 2026 की शाम करीब 8 बजे राजु पटेल, तनु पटेल, माता दिन और रिका पटेल उनके घर में घुस आए और उनके तथा उनकी पत्नी के

साथ मारपीट करते हुए गाली-गलौज की। पीड़ित के मुताबिक, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें थाने ले जाया गया, जहां उनसे घटना के संबंध में आवेदन लिया गया। हालांकि, उनका कहना है कि आवेदन प्राप्त करने के बाद उन्हें कोई

पावती नहीं दी गई। साथ ही, शिकायत पर अब तक क्या कार्रवाई हुई है, इसकी भी जानकारी नहीं मिली। पीड़ित परिवार का कहना है कि जब थाने में शिकायत देने के बाद भी उन्हें कार्रवाई की जानकारी नहीं मिली, तो उन्होंने पुलिस अधीक्षक के समक्ष आवेदन देकर हस्तक्षेप की मांग की। पीड़ित पक्ष ने शिकायत पर नियमानुसार कार्रवाई कर उन्हें न्याय दिलाने का आग्रह किया है।उक्त मामले में उप पुलिस अधीक्षक कहां की इस संबंध में आवेदन प्राप्त हुआ है। थाना प्रभारी को निर्देशित करीं तथा आगे विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के इस बयान के बाद अब पीड़ित परिवार को मामले में निष्पक्ष जांच और नियमानुसार कार्रवाई की उम्मीद है।

हादसों को दावत देता रिसदा बाईपास चौक : ओवरलोड वाहनों की मनमानी से संकरी हुई सड़कें, राहगीर बेहाल

बलौदा बाजार। क्षेत्र के प्रमुख आवागमन मार्गों पर भारी वाहनों की बेलगाम रफ्तार और प्रशासनिक उदासीनता ने आम जनजीवन को संकट में डाल दिया है। विशेष रूप से बलौदा बाजार से सिमगा मार्ग और बलौदा बाजार से रवाना मार्ग पर भारी वाहनों का दबाव इस कदर बढ़ गया है कि स्थानीय ग्रामीण अब हर वक्त किसी अनहोनी के अंदेश के बीच भय के साए में जीने को विवश हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि रिसदा बाईपास चौक से लेकर ग्राम ढबाडीह, ढबाडीह से आगे और सेमहराडीह तक सड़क के दोनों किनारों को ट्रांसपोर्टों और भारी वाहन चालकों ने अवैध पार्किंग स्थल बना दिया है। इन स्थानों पर



ट्रकों और डंपर के बेतरतीब खड़े होने से मार्ग अत्यंत संकरा हो गया है। तीखे मोड़ों और चौगुहों पर खड़े ये वाहन मुख्य मार्ग को पूरी तरह से ओझल कर देते हैं, जिससे तेज रफ्तार वाहनों और दोपहिया चालकों के लिए भयंकर सड़क दुर्घटनाओं का अंदेशा हर पल बना रहता है। इन तमाम विसंगतियों के बीच समस्या को और गंभीर बना रहा है भारी

ओवरलोड वाहनों के पहियों तले कुचलकर बलौदा बाजार से सिमगा व खान वाया ढबाडीह-सेमहराडीह मार्ग की सूरत भी बिगड़ चुकी है। सड़क पर हुए बड़े-बड़े गड्ढे और दिन हादसों को दावत दे रहे हैं।ग्रामीणों और वाहन चालकों के बीच बढ़ते असंतोष को देखते हुए यदि समय रहते परिवहन विभाग और यातायात पुलिस ने ठोस कदम नहीं उठाए, तो यह आक्रोश कभी भी बड़े जन-आंदोलन का रूप ले सकता है। स्थानीय स्तर पर अब यह मांग जोर पकड़ने लगी है कि इन मार्गों पर अवैध पार्किंग करने वालों के लाइसेंस निरस्त किए जाएं और प्रेशर हॉर्न के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर जब्ती की कार्रवाई की जाए।

सीजीपीएससी ओर व्यापम की तैयारी को लेकर अधिकारियों ने साझा किए अनुभव

विद्यार्थियों को करियर और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का मार्गदर्शन

● चित्रकला में 50 और भाषण प्रतियोगिता में 44 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

सारेगढ़-बिलाईगढ़। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सारेगढ़ विकासखंड में विद्यार्थियों के लिए विकासखंड स्तरीय करियर काउंसिलिंग कार्यक्रम के साथ चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तेजस कोचिंग सेंटर, सेजेस स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ज्योति पटेल रही। कार्यक्रम में तेजस कोचिंग सेंटर के विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। करियर काउंसिलिंग के दौरान डिप्टी कलेक्टर राणा विजय ने विद्यार्थियों को छात्रीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए नियमित अध्ययन, सही रणनीति, समय प्रबंधन और निरंतर अभ्यास को सफलता के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने



विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन के साथ तैयारी करने तथा असफलताओं से निराश होने के बजाय निरंतर मेहनत करते रहने का आह्वान किया। जिला आबकारी अधिकारी सुराज तिवारी ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़े अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। उन्होंने छात्रीसगढ़ लोक सेवा आयोग एवं व्यापम की परीक्षाओं को लक्ष्य बनाकर योजनाबद्ध तैयारी, उपयोगी पुस्तकों एवं

अध्ययन सामग्री के चयन तथा नियमित अभ्यास पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से धैर्य और निरंतरता के साथ अपने लक्ष्य को केंद्रित रहने की बात कही।सहायक आयुक्त सहकारिता कामेश सिंह करण्य ने विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को भविष्य के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं, विषय चयन,

तैयारी की रणनीति और करियर से जुड़े सवाल अधिकारियों के समक्ष रखे, जिनका अधिकारियों ने समझाना किया और अपने अध्ययन एवं तैयारी के अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। चित्रकला प्रतियोगिता में 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने विकसित भारत, स्वच्छता, सेवा एवं सामाजिक जागरूकता जैसे

विषयों को अपनी कल्पनाशीलता और रंगों के माध्यम से चित्रों में उकेरा। वहीं भाषण प्रतियोगिता में 44 विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए संकल्प भारत, सेवा के 25 वर्ष, शिक्षा एवं विकसित भारत सहित विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ विचार व्यक्त करते हुए विकसित भारत के निर्माण में युवाओं और शिक्षा की भूमिका को रेखांकित किया।

कामता में भव्य डीजे डांस प्रतियोगिता आयोजित: पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा हुए शामिल

बलौदा बाजार। भाटपारा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कामता में गणेश उत्सव समिति द्वारा डीजे डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे, जिन्होंने देर रात तक प्रतियोगिता का आनंद लिया और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाटपारा के पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा उपस्थित थे। उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष आनंद यादव, मंडल अध्यक्ष चंद्रमणि तिवारी, जनपद सभापति चंद्रप्रकाश टोडे, सूर्यकांत ताम्रकार, पौसरी सरपंच चंद्रमणि साहू और युवा मोर्चा के गगन शर्मा सहित कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य नागरिक मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने ग्रामीणों को भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से



जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और योजनाओं का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंच रहा है। पूर्व विधायक के संबोधन के बाद ग्रामीणों में भारी उत्साह और खुशी की लहर देखी गई। गणेश समिति के शानदार आयोजन और युवाओं के उत्साह को देखते हुए शर्मा ने समिति के लिए 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। इस घोषणा पर पूरी समिति और ग्रामीणों ने करतल ध्वनि से उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में गणेश उत्सव समिति के सदस्यों ने पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा एवं समस्त अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

गंभीर बीमारी के उपचार में राजेंद्र प्रसाद को मिला संबल

रायपुर। गंभीर बीमारी का इलाज कराना बलरामपुर निवासी श्री राजेंद्र प्रसाद गुप्ता और उनके परिवार के लिए कठिन होता जा रहा था। उपचार पर बढ़ते खर्च से परिवार की आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई। ऐसे समय में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत 15 लाख रुपए की सहायता स्वीकृत होने से उन्हें उपचार जारी रखने का सहारा मिला। गुप्ता ने बताया कि इलाज का खर्च जुटाने की चिंता के बीच उन्हें योजना की जानकारी मिली। आवेदन के बाद सहायता स्वीकृत हुई, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली। उनके अनुसार, शासन की सहायता के कारण इलाज के लिए उन्हें किसी से कर्ज नहीं लेना पड़ा और न ही घर की ज़रूरी चीजें गिरवी रखनी पड़ीं। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना गंभीर बीमारियों के उपचार में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराती है। श्री गुप्ता की कहानी बताती है कि समय पर मिली सहायता मरीज के उपचार के साथ पूरे परिवार का हौसला भी बनाए रखती है।श्री गुप्ता ने सहायता के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि ज़रूरत के समय उन तक पहुँची शासन की सहायता उनके परिवार के लिए संबल बनी है।

छत्तीसगढ़ में बदला मौसम का सिस्टम, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जगदलपुर में बढ़ेगा तापमान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे के दौरान कई स्थानों पर हल्की से मध्यम और एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हुई। सबसे ज्यादा 70 मिलीमीटर बारिश रंगछार कबसे में दर्ज की गई। मनोरा में 5, पाली और चिरमिरी में 30-30 मिलीमीटर, जबकि मरवाही, बोदारी, बेलगहना, भैयाथान, बेलतरा, रतनपुर, कैकुंठपुर, अकलतरा, खड़गवा, सोनहत, मनेंद्रगढ़, रामानुजनगर, केल्हारी और नवागढ़ में 20-20 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार अब प्रदेश में बारिश की तीव्रता और फैलाव कम होने की संभावना है। अगले 24 घंटे में एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। राजधानी में शनिवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री दर्ज हुआ। दोनों तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री कम रहे। 28 सितंबर को आंशिक बादल छाए रहने और एक-दो बार बारिश या गरज-चमक के साथ बौछार पड़ने की संभावना है। अधिकतम तापमान 33 और न्यूनतम 25 डिग्री के आसपास रह सकता है। प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान दुर्ग में 31.6 डिग्री दर्ज किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान पेंझरोड और अंबिकापुर में 19 डिग्री रहा। माना विमानतल में अधिकतम 31.4 और न्यूनतम 22.5, बिलासपुर में 30.7 और 22.7 तथा जगदलपुर में 31.4 और 21.6 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। मौसम विभाग के अनुसार मध्य उत्तर प्रदेश के उत्तरी हिस्सों पर बना कम दबाव का क्षेत्र 27 सितंबर सुबह 8.30 बजे भी उसी क्षेत्र में था।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में 74 हजार से अधिक हितग्राही पात्र, 1393 अपात्र

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लन 2.0 (2024) सर्वे के आधार पर सिस्टम जनरेट प्रारंभिकता सूची का ग्राप्तसभा में अनुमोदन किया गया है। अनुमोदित सूची के अनुसार रायपुर जिले के चार जनपदों में कुल 75 हजार 461 हितग्राहियों में से 74 हजार 68 हितग्राही पात्र तथा 1 हजार 393 हितग्राही अपात्र पाए गए हैं। जिला पंचायत रायपुर से जारी जानकारी के अनुसार अभनपुर जनपद में कुल 18,352 हितग्राहियों में 18,095 पात्र एवं 257 अपात्र, आरंग में 25,814 में 25,138 पात्र एवं 676 अपात्र, धरसीवा में 11,540 में 11,250 पात्र एवं 330 अपात्र तथा तिलदा में 19,755 हितग्राहियों में 19,625 पात्र एवं 130 अपात्र पाए गए हैं। सूची में अपात्र पाए गए हितग्राही 28 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। दावा-आपत्ति ग्रामसभा में आमंत्रित की गई है। निर्धारित समयवाधि में प्राप्त लिखित आवेदनों पर जिला स्तरीय समिति द्वारा नियमानुसार विचार किया जाएगा। जिला पंचायत ने स्पष्ट किया है कि समय-सीमा के बाद प्राप्त, त्रुटिपूर्ण अथवा अस्पष्ट आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

कॉलेज के प्रोफेसर पर छात्राओं से आपत्तिजनक व्यवहार का आरोप, कलेक्टर से शिकायत

रायपुर। शासकीय पीजी महाविद्यालय बेमेतरा के एक प्रोफेसर पर छात्राओं के साथ फोन पर कथित तौर पर अश्लील और आपत्तिजनक व्यवहार करने का आरोप लगा है। मामले को लेकर छात्रों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर शिकायत की है और पूरे प्रकरण की जांच कर दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के मुताबिक, कॉलेज के प्रोफेसर जेपी राणा पर छात्राओं के साथ फोन पर कथित रूप से आपत्तिजनक बातचीत करने का आरोप है। छात्राओं ने इसकी जानकारी कॉलेज प्रबंधन को भी दी थी। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि मामले को जानकारी प्राप्तची वीणा निपाटी को दिए जाने के बाद उन्हें कथित तौर पर चुप रहने और कॉलेज की बात कॉलेज में ही निपटाने की बात कही गई। मामले को लेकर अब छात्राओं ने कलेक्टर से लिखित शिकायत कर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

राजधानी

सेवा संकल्प यात्रा केवल यात्रा नहीं

सेवा, राष्ट्रभाव और युवा शक्ति को जोड़ने वाला अभियान-साय

■ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सशक्त और विकसित भारत का हो रहा निर्माण : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

■ सेवा संकल्प अभियान के तहत गुजरात के वडनगर और बस्तर संभाग से रायपुर पहुंचे बाइक राइडर्स

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित ‘सेवा संकल्प यात्रा एवं युवा संवाद’ कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गुजरात के वडनगर से लंबी यात्रा तय कर रायपुर पहुंचे बाइक राइडर्स तथा

बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों से पहुंचे बाइक राइडर्स का छत्तीसगढ़ की धरती पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित नए भारत का निर्माण हो रहा है। प्रधानमंत्री देश के 140 करोड़ नागरिकों को अपना परिवार मानकर सेवा भाव से राष्ट्र निर्माण में निरंतर जुटे हुए हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने दुनिया में अपनी एक नई पहचान बनाई है और आज पूरा देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सेवा संकल्प यात्रा देश की युवा शक्ति को सेवा, सामाजिक सरोकार और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। गुजरात के वडनगर से प्रारंभ हुई यात्रा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि से उनकी कर्मभूमि वाराणसी तक सेवा का संदेश लेकर आगे बढ़ रही है। यात्रा के दौरान युवा स्वच्छता, नशामुक्ति, टीबी मुक्त भारत और पर्यावरण संरक्षण जैसे



महत्वपूर्ण विषयों पर समाज को जागरूक कर रहे हैं। यह यात्रा युवाओं में राष्ट्र के प्रति दायित्वबोध और सेवा की भावना को और मजबूत कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर छत्तीसगढ़ में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत डेढ़ करोड़ से अधिक दीप प्रज्वलित किए गए। प्रदेशवासियों ने जिस उत्साह और आत्मीयता के साथ इसमें सहभागिता की, वह प्रधानमंत्री के

प्रति जनता के स्नेह और विश्वास को अभिव्यक्त करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का छत्तीसगढ़ से गहरा और आत्मीय संबंध रहा है। उन्होंने प्रदेश में लंबा समय बिताया है और यहां के जनजीवन को निकटता से देखा और समझा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में केंद्रीय राज्यमंत्री के रूप में उन्हें प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ कार्य करने का अवसर मिला। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री

सुप्रीम कोर्ट से भूपेश बघेल को झटका, हाईकोर्ट में जारी रहेगी सुनवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पाटन विधानसभा चुनाव से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी ओर से दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) खारिज कर दी है। इसके बाद अब चुनाव याचिका पर बिलासपुर हाईकोर्ट में ही सुनवाई जारी रहेगी। यह मामला 2023 के पाटन विधानसभा चुनाव परिणाम को चुनौती देने से जुड़ा है। भाजपा नेता और चुनाव में प्रत्याशी रहे विजय बघेल ने भूपेश बघेल के निर्वाचन को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की थी। याचिका में चुनाव प्रचार के दौरान नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए निर्वाचन रद्द करने की मांग की गई है।

रावण का पुतला जलाना मानवाधिकार का उल्लंघन है या नहीं छत्तीसगढ़ आयोग में पहुंचा अनोखा मामला

रायपुर। छत्तीसगढ़ मानव अधिकार आयोग के सामने सामाजिक बहिष्कार, प्रताड़ना और अधिकारों से जुड़े मामलों के बीच एक ऐसा आवेदन भी पहुंचा, जिसमें पौराणिक पात्र रावण और दुर्योधन को मानवाधिकार के नजरिए से जोड़ते हुए सवाल उठाया गया। आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष गिरधारी नायक ने बताया कि आवेदक ने पूछा कि हर साल दशहरे पर रावण का पुतला जलाया जाता है, तो क्या यह उसके मानवाधिकारों का हनन नहीं है। साथ ही सवाल किया गया कि यदि रावण का पुतला जलाया जाता है तो महाभारत के दुर्योधन का पुतला क्यों नहीं जलाया जाता। आवेदक के सवाल पर आयोग ने स्पष्ट किया कि रावण मानव नहीं था, इसलिए यह मामला मानव अधिकार आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। इस तरह पौराणिक पात्र और आधुनिक मानवाधिकार की अवधारणा को जोड़कर किया गया यह आवेदन आयोग के लिए अलग तरह का मामला रहा। गिरधारी नायक के अनुसार आयोग के गठन के बाद करीब 26 वर्षों में 74 हजार मामले सामने आए हैं। इनमें लगभग 900 मामले लंबित हैं। आयोग के समक्ष आने वाले मामलों में सामाजिक बहिष्कार से जुड़े प्रकरणों की हिस्सेदारी करीब 40 से 45 प्रतिशत बताई गई है। उन्होंने बताया कि आयोग में कई फर्जी शिकायतें भी आती हैं।

चाकू लेकर घूम रहे दो गिरफ्तार 2.913 किलो गांजा जब्त किया

रायपुर। संवाददाता

राजधानी में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मारपीट, धमकी, अवैध शराब, चाकू और गांजा रखने के मामलों में पुलिस ने कार्रवाई की है। खमतराई, सरस्वती नगर और टिकरापारा थाना क्षेत्रों में दर्ज प्रकरणों में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), आर्म्स एक्ट, आबकारी एक्ट और नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। खमतराई थाना क्षेत्र के रावभाठा जैतखाम के पास 27 सितंबर की रात लक्ष्मण प्रसाद साहू से शराब पीने के लिए पैसे मांगे गए। पैसे नहीं देने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के से मारपीट कर घायल कर दिया। इसी थाना क्षेत्र में गणेश विसर्जन के दौरान गाड़ी खड़ी करने को लेकर विवाद में अजय बघेल से मारपीट और धमकी देने का मामला भी दर्ज हुआ। धनपुरी में भी शराब के लिए पैसे मांगने और नहीं देने पर मारपीट की शिकायत दर्ज की गई है। सरस्वती नगर थाना क्षेत्र के चौबे कॉलोनी में धरलू बात

को लेकर पति ने महिला से गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के से मारपीट की। मोतीलाल नगर कोटा में भी विवाद के दौरान गाली-गलौज और मारपीट की दो शिकायतें दर्ज हुई हैं। टिकरापारा थाना पुलिस ने देवपुरी काली मंदिर के पास और सिमरन सिटी क्षेत्र में अलग-अलग कार्रवाई करते हुए दो युवकों को अवैध रूप से चाकू लेकर आम लोगों को आतंकित करने के आरोप में गिरफ्तार किया। दोनों मामलों में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। सरस्वती नगर पुलिस ने कोटा रोड स्थित सुयश पेट्रोल पंप के आगे कार्रवाई करते हुए एक आरोपी के कब्जे से बोरी में रखा 2 किलो 913 ग्राम गांजा बरामद किया। जब्त गांजे की कीमत करीब 1.50 लाख रुपए बताई गई है। आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स अधिनियम की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। खमतराई पुलिस ने छोटपारा आरबीएच कॉलोनी क्षेत्र में आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए एक आरोपी के कब्जे से 37 पाव अंग्रेजी शराब।

आप चिंता न करें, सरकार और पूरा प्रशासन आपके साथ है-वित्त मंत्री

■ बाढ़ के पानी के बीच नाव से बोरिदा, टेंगागुरी और तोरा पहुंचे वित्त मंत्री, प्रभावित परिवारों से मिलकर जाना हाल

रायपुर। संवाददाता

चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ के प्रभाव से महानदी का जलस्तर बढ़ने के कारण रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सरिया तहसील के कई गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। संकट की इस घड़ी में वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी स्वयं प्रभावित लोगों के बीच पहुंचे। उन्होंने राहत एवं बचाव दल के साथ नाव के जरिए जलमग्न ग्राम

बोरिदा, टेंगागुरी और तोरा पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की तथा बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों का जमीनी जायजा लिया। चारों ओर पानी से घिरे गांवों में श्री चौधरी ने प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर माताओं-बहनों, बुजुर्गों, बच्चों और युवाओं का हालचाल जाना। उन्होंने ग्रामीणों से उनकी परेशानियों और तत्काल आवश्यकताओं के संबंध में सीधे बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार प्रत्येक प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है और उनकी सुरक्षा तथा सहायता के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने प्रभावित प्रभावित लोगों के बीच पहुंचे। उपरज इस कठिन परिस्थिति में उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

है। शासन-प्रशासन की टीमें लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। किसी भी प्रभावित परिवार को आवश्यक सहायता से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को प्रभावित लोगों के लिए भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयां, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देने तथा ज़रूरत पड़ने पर ग्रामीणों को तत्काल सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। श्री चौधरी ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित लोगों की हरसंभव सहायता और उनका सुरक्षित बचाव सुनिश्चित करने के लिए सरकार और प्रशासन निरंतर जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों और युवाओं से किया संवाद

खेल और खिलाड़ियों की तरक्की के लिए छत्तीसगढ़ सरकार प्रतिबद्ध-अरुण साव..

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज राजनांदगांव के पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम में खिलाड़ियों और युवाओं से संवाद किया। वे जल, जन एवं सेवा संकल्प यात्रा के अभिनंदन और स्वागत कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन, एकाग्रता और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव की पहचान खेल नगरी के रूप में है और यहां की खेल प्रतिभाओं ने प्रदेश एवं देश का नाम गौरवान्वित किया है। एक खिलाड़ी की सबसे बड़ी विशेषता एकाग्रता होती है। खिलाड़ी को अपने लक्ष्य के प्रति पूरी



तरह केंद्रित और अनुशासित रहना चाहिए। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा को निखारें और आने वाले समय में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करें। उन्होंने छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश की बेटियां

विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। कबड्डी में संजू देवी ने एशियन गेम्स-2026 में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने बताया कि संजू देवी बिलासपुर की बहारतई कबड्डी अकादमी में प्रशिक्षण ले रही हैं। उन्होंने जूनियर महिला हॉकी एशिया कप विजेता टीम की सदस्य छत्तीसगढ़ की बेटियों गीता यादव और

मधु सिदार तथा कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीतने वाली ज्ञानेश्वरी यादव की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खेल और खिलाड़ियों की तरक्की एवं बेहतरी के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में पहली बार राज्य सरकार द्वारा प्रयोजित हॉकी लीग का आयोजन किया जा रहा है। यह लीग 21 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक आयोजित होगी। लीग के लिए लगभग 400 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है, जिनमें से 223 खिलाड़ियों ने पहले दिन के ट्रायल में हिस्सा लिया है। चयन प्रक्रिया के बाद छह टीमें गठित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि राजनांदगांव की टीम का नाम यहां की पहचान संस्कारधानी के नाम पर रखा गया है।



साथ ही नामांतरण की प्रक्रिया आसान होने से संपत्ति से जुड़े कार्य में उनकी परेशानी और दौड़भाग कम हुई है। ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत पंजीयन विभाग से संवाद में उन्होंने इन बदलावों से मिले अपने अनुभव साझा किए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के विकसित छत्तीसगढ़ के विजन के अनुरूप वित्त एवं पंजीयन मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में पंजीयन सेवाओं को सरल, सुगम और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए विभिन्न सुधार एवं शुल्क रिखयतें लागू की गई हैं। इन पहलों का जमीनी प्रभाव जानने के लिए विभाग ‘सेवा संकल्प अभियान’ के माध्यम से हितग्राहियों से सीधे संवाद कर उनके अनुभव और सुझाव को पकड़ित कर रहे हैं। महिलाओं के संक्षिप्त में अचल संपत्ति के अंतरण से संबंधित दस्तावेजों पर पंजीयन शुल्क की दर 4 प्रतिशत से घटकर 2 प्रतिशत की गई है। इस तरह महिलाओं को पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की रियायत मिल रही है।

ब्यूटी पार्लर से किरण को हर माह 12 से 20 हजार रुपये तक की आय



■ खुद आत्मनिर्भर बनने के साथ दूसरों के लिए भी खोले अवसर, दो से चार महिलाएं सीख रही हैं ब्यूटीशियन का काम

रायपुर/ संवाददाता

कभी प्रशिक्षण के जरिए सीखा गया ब्यूटीशियन का हुनर आज श्रीमती किरण केरकेट्टा की आत्मनिर्भरता का आधार बन गया है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत छह माह का प्रशिक्षण लेने के बाद किरण ने छोटे स्तर पर अपना ब्यूटी पार्लर शुरू किया। धीरे-धीरे ग्राहक बढ़े और उनका हुनर नियमित आजीविका में बदल गया। आज वे अपने व्यवसाय से प्रतिमाह लगभग 12 से 20 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर परिवार के खर्च में सहयोग कर रही हैं। इतना ही नहीं, अपने साथ दूसरे लोगों को रोजगार और प्रशिक्षण से जोड़कर उन्हें भी आगे बढ़ने का अवसर दे रही हैं। अम्बिकापुर के पटेलपारा निवासी किरण केरकेट्टा बताती हैं कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से उन्हें छह माह का ब्यूटीशियन प्रशिक्षण मिला। प्रशिक्षण के दौरान सीखे हुनर को उन्होंने स्वरोजगार से जोड़ने का निर्णय लिया और अपना छोटा सा ब्यूटी पार्लर शुरू किया। मेहनत के साथ उनका काम आगे

बढ़ा और धीरे-धीरे ग्राहक जुड़ते गए। किरण के अनुसार वर्तमान में ब्यूटी पार्लर से उन्हें प्रतिमाह लगभग 12 से 20 हजार रुपये तक की आमदनी हो जाती है। इस आय से वे परिवार की ज़रूरतों और घर के खर्च में सहयोग कर पा रही हैं। कौशल प्रशिक्षण से मिला हुनर उनके लिए अब केवल एक कला नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम बन गया है। किरण अपनी खुशी साझा करते हुए कहती हैं, पीएम कौशल विकास के माध्यम से मुझे अपने पैरों पर खड़े होने का मौका मिला। छह महीने ब्यूटीशियन का कोर्स करने के बाद मैंने अपना छोटा सा ब्यूटी पार्लर शुरू किया। इससे 12 से 20 हजार रुपये तक इनकम हो जाती है और घर का खर्च भी चल जाता है। किरण की सफलता केवल उनकी अपनी आजीविका तक सीमित नहीं है। अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के साथ उन्होंने कुछ लोगों को रोजगार से भी जोड़ा है। इसके अलावा दो से चार महिलाएं उनके पास ब्यूटीशियन का काम सीख रही हैं। इस तरह उन्हें प्रशिक्षण से मिला हुनर अब दूसरे लोगों के लिए भी सीखने और आगे बढ़ने का माध्यम बन रहा है। किरण का कहना है कि कौशल विकास के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला और अब उनके काम से दूसरे लोगों को भी लाभ मिल रहा है। उन्होंने इस अवसर के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

मप्र की डॉ. मोहन यादव सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को गांवों में शुरू की गई महत्वाकांक्षी मालिकाना हक के लिए मुफ्त रजिस्ट्री योजना अपने आगाज के तीसरे दिन भी परवान नहीं चढ़ सकी है तो इसकी मुख्य वजह है जिन कर्मचारियों को यह काम करना है, उन्हें ही विश्वास में नहीं लिया। नतीजा यह है कि उप पंजीयक के अधिकार दिए जाने के बाद भी सम्बन्धित पटवारी, नायब तहसीलदार और

तहसीलदार इस काम को हाथ लगाने को तैयार नहीं है। उन्हें डर है कि जरा सी गलती भी उन्हें कानूनी उलझन में फंसा सकती है। दूसरी तरफ सरकार इस अमले को अभी तक भरोसा नहीं दिला सकी है कि वो निश्चित होकर अपना काम करें और योजना को सफल बनाएं। गौरतलब है कि मप्र सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति का मालिकाना हक देने के लिए स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 के तहत मुफ्त रजिस्ट्री का महाअभियान शुरू

किया है। 17 सितंबर से शुरू हुआ यह अभियान 17 अक्टूबर तक चलेगा। इसके तहत प्रदेश के 55 जिलों के 41 हजार 568 से अधिक गांवों में किए सर्वे के बाद लगभग 68.47 लाख प्लॉटों में से 50 लाख से ज्यादा संपत्तियों को कानूनी अधिकार पत्र दिलाना है। इस पर करीब 4 हजार करोड़ रू. खर्च होंगे। यह पैसा सरकार ही देगी। उल्लेखनीय है कि शहरों में तो अचल सम्पत्तियों की रजिस्ट्री होती है, लेकिन गांवों में यह सुविधा नहीं है। सम्पत्ति का मालिकाना हक

नहीं होने से लोगों को अन्य दूसरी सुविधाएँ जैसे कि बैंक लोन आदि नहीं मिल पाता। रजिस्ट्री होने के बाद यह सुविधा उन्हें भी मिल सकेगी। वैसे तो यह काम पंजीयकों का है, लेकिन इतने बड़े और इतनी कम अवधि में काम पूरा करने के लिए उसके पास स्टाफ बेहद कम है। पंजीयन विभाग के पास महज 233 ही उप पंजीयक हैं। इसलिए तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को उप पंजीयक के अधिकार अस्थायी रूप से दिए गए हैं। इसके लिए पटवारी को निष्पादन

अधिकारी तथा तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पीसीओ एवं एडीईओ को पंजीयन अधिकारी बनाया गया है। लेकिन राजस्व अमले में इस पूरी प्रक्रिया को लेकर गहरी शंकाएँ हैं। मप्र पटवारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह बघेल के अनुसार फ्री रजिस्ट्री योजना के तहत पटवारी को निष्पादक की भूमिका दी गई है। ये पटवारियों को नए कानूनी उलझन में फंसा सकती है। हालाँकि राजस्व मंत्री करण सिंह वमां ने कहा कि ये सरकार की योजना है और

पटवारियों को किसी भी तरह की आशंका नहीं होनी चाहिए। हर विवाद को सुलझाने की जिम्मेवारी सरकार की है। लेकिन मंत्री की अपील का कोई असर होता दिख नहीं रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पुछे जाने पर पटवारियों ने कहा कि रजिस्ट्री में उनके नाम की जगह शासन लिखा जाए। उभर तहसीलदार संघ का कहना है कि हमे पंजीयक की जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन कोई गलती हुई तो इसमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है।

किंतु कौन-सा बच्चा कितना भावुक है, कितना संवेदनशील है और उसे अपने घर को उस छोटी-सी अवस्था में छोड़ते समय सचमुच जिस संवेदनशीलता की किसी दूसरे से आवश्यकता होती होगी, क्या स्कूल वह उसे प्रदान कर सकता है? इन प्रश्नों का उत्तर कभी भी किसी के पास भी नहीं रह है! क्योंकि स्कूल भी शिक्षा से ज्यादा उनके अपने ओनरें की कमाई के साधन है! क्योंकि धरती पर चल रहे अन्य व्यापारों की तरह शिक्षा भी एक व्यापार है!

याद रहे! हर बच्चा टॉप नहीं हो सकता !

राजीव शेट्टा

बच्चा अपने मां-बाप के साथ पी टी एम में अपने स्कूल गया हुआ था। जब उसकी बारी आई, तो क्लास टीचर की अनुमति के साथ अपने मां-बाप के साथ क्लास के अंदर गया। मां-बाप ने टीचर का अभिवादन किया। बच्चे को टीचर ने खड़ा रखा। उसने भी टीचर का अभिवादन किया। टीचर ने मां-बाप के हाथों में बच्चे का रिपोर्ट कार्ड सौंपा और उसे देखने को कहा। उसके बाद टीचर ने बच्चे के बारे में मां-बाप को बताना शुरू किया कि कैसे तो बच्चा बहुत होशियार है। किंतु क्लास में बहुत टॉर्केटिव है। हर समय बात करता रहता है। इतना ज्यादा बात करता है कि कभी-कभी क्लास डिस्टर्ब हो जाती है।

यदि यह सही भी था तो यह भी सही ही होना चाहिए कि यदि जिन दूसरे बच्चों से वह बात कर रहा होगा, वे भी टॉर्केटिव ही होंगे। तभी वह उनसे बात कर रहा होगा। खैर यह अलग बात है। उसके बाद मां-बाप बच्चे को लेकर घर आ गए। तकरीबन सभी विषयों में बच्चा लगभग अच्छे नंबर लाया था, जो उसके टॉर्केटिव होने के अनुपात से बहुत अच्छे मार्क्स कहे जा सकते हैं। किंतु एक विषय में उसके काफी कम नंबर थे। जिसने उसके मां-बाप को असहज कर दिया था और क्लास टीचर के सामने उनके अपने बच्चे के कारण उनकी ईसल्ट हो गई थी। यह ईसल्ट मेरे ख्याल से उन सभी मां-बापों के साथ होती है, जो बच्चों की क्लास टीचर के द्वारा बच्चों के बारे में इस तरह का उल्लाना सुनते हैं।

और कई बार तो वे मां-बाप खुद भी अपने बच्चों की क्लास-टीचर से भी ज्यादा ईसल्ट कर देते हैं! क्लास-टीचर के सामने ही या क्लास के बाहर खड़े दूसरे इंतजार करते बच्चों और उनके मां-बापों के सामने ही !! और मजेदार बात यह है कि ऐसा करते समय उन्हें अपने बच्चों के भीतर चल रही भावनाओं का जरा भी भान नहीं होता। तनिक भी अस्वाभाविक नहीं लगता। क्योंकि वे बच्चों के (सो कॉल्ड) मां-बाप हैं !! अब मां-बाप ने शब्दों के द्वारा उसकी जो कुटाई शुरू की। उसके दूसरे बहन-भाइयों ने भी बहती गंगा में अपने हाथ धोते हुए अपने झुंझलाते हुए शब्दों के साथ उसकी जो मरमत की। बच्चा एकदम से सहम गया और अगले कई घंटे तक दूसरे कक्ष में जाकर पड़ा हुआ रोता रहा। लेकिन किसी ने उसकी सुध लेने की जरूरत ही ना समझी !!

तो यह है आज के घरों का वातावरण। जहां हम बच्चों के साथ जो व्यवहार कर रहे हैं, वह कहीं से भी बच्चों के स्वास्थ्यवर्धक मानसिक विकास के हिसाब से बिल्कुल भी उपयुक्त नहीं है। बल्कि वह इतना अधिक अनुपयुक्त है कि हम ऐसा करते हुए एक अच्छे परिणाम की अपेक्षा भी नहीं कर सकते। लेकिन इसका भी हमें नहीं पता। अपनी पर्यकर उम्मीदों और अपेक्षाओं का बोझ बच्चों के कंधों पर लादकर हम उसे शिक्षा का विद्यार्थी नहीं, बल्कि शिक्षा का मजदूर बनाए दे रहे हैं। और शिक्षा जब बोझ लगने लगती है, तब

कोई उसे नहीं पढ़ता और यह बात भी सदैव याद रखी जानी चाहिए। एक बात तो गांठ बांधकर धर लीजिए कि बच्चे कभी भी पढ़ना नहीं चाहते। बच्चे केवल पढ़ाना चाहते हैं, उनके अच्छे भविष्य के लिए। किंतु बच्चों को नहीं पता होता कि उनका अच्छ भविष्य कैसा होता है ! उन्हें खेलों में रुचि है और वह खेलना चाहते हैं। हमें उनके भविष्य में रुचि है। हम उन्हें बांधना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि वे अपने कक्ष में बंद होकर सारा-सारा दिन पढ़ते रहें। पहली बात तो यह कि छई से तीन साल की अवस्था में बच्चों को हम स्कूल में छल देते हैं। स्कूल में जाकर उस बच्चे को वास्तव में उचित या समुचित मानसिक विकास होता भी है या कि नहीं इसे हम तनिक भी नहीं जानते। क्योंकि हम उन्हीं बातों के अम्यस्त हैं कि स्कूल में जाने के बाद बच्चे का विकास होता ही होगा !

किंतु कौन-सा बच्चा कितना भावुक है, कितना संवेदनशील है और उसे अपने घर को उस छोटी-सी अवस्था में छोड़ते समय सचमुच जिस संवेदनशीलता की किसी दूसरे से आवश्यकता होती होगी, क्या स्कूल वह उसे प्रदान कर सकता है ? इन प्रश्नों का उत्तर कभी भी किसी के पास भी नहीं रहा है। क्योंकि स्कूल भी शिक्षा से ज्यादा उनके अपने ओनरों की कमाई के साधन है। क्योंकि धरती पर चल रहे अन्य व्यापारों की तरह शिक्षा भी एक व्यापार है। जहां पर एक बीज को पनपने और उचित तरीके से पुष्पित होने के लिए समुचित वातावरण को पोषित करने की आवश्यकता है, किंतु आज भी वहीं उस संवेदनशीलता को उतना महत्व नहीं दिया जाता।

बच्चा हमारा है। उसके बारे में हमें खुद को सोचना है। उसके भविष्य की भीतिक तरकी के अलावा उसकी अपनी मानसिक समस्याएं क्या है? इसे उसके मां-बाप से ज्यादा कौन समझ सकता है। किंतु मां-बाप तो संसार के साथ आपसी प्रतिस्पर्धा में पड़े हुए हैं कि उन्हें अपने बच्चों को सर्वश्रेष्ठ बनाना है। हर मां-बाप यही चाह रहा है कि 30/40 बच्चों की क्लास में उनका ही बच्चा सर्वश्रेष्ठ हो और ऐसा इस धरती पर ना कभी हुआ है और ना कभी होगा। टॉप टैन में भी 10 बच्चे ही आएंगे। बाकी बच्चे तो उनके पीछे आएंगे। अब यह जो पीछे रह गए बच्चे हैं, यदि अपने मां-बाप की ऐसी शाब्दिक मार का शिकार हो रहे होंगे, तो फिर वास्तव में उनके भविष्य में बेहतर बनने का रस्ता क्या होगा? क्या वे बच्चे, वे मासूम बच्चे तरह-तुनह के मानसिक अवसाद के शिकार नहीं होंगे? इन प्रश्नों का उत्तर मां-बाप को अपने-आप से पूछना चाहिए।



सबसे बड़ी बात यह है कि जब हम बच्चों को अपनी बातों से पीटना शुरू करते हैं, तब अगर दूसरा कोई बीच बचाव में आता भी है, तो उसे रोक दिया जाता है कि प्लीज आप ऐसा ना करें। क्योंकि यह उनके बच्चे के भविष्य का सवाल है और बच्चों के भले के लिए उसकी डांटा जा रहा है। लेकिन उस डांट का जो टोन है और उसमें प्रयुक्त होने वाले शब्दों के बारे में कोई भी तनिक भी सचेत नहीं है। जिससे बच्चों के भले के ही प्रति कहीं गई वह बात बच्चों के भले के सिवाय सब कुछ कर सकती है। यानी यह तय है कि उसे बच्चा का भला तो नहीं ही होगा।

कोई भी बात किसी को भी मीठे-मीठे तरीके से भी समझाई जा सकती है और निसंदेह बच्चों को तो मीठे तरीके से ही समझाया जाना चाहिए। लेकिन हम में से कोई भी मां-बाप अथवा भाई-बहन अपने बच्चों के लिए इस हद तक संवेदनशील कभी भी नहीं है और इस मामले में तो तनिक भी सचेत नहीं है!

और ऐसे में इस तरह के संस्कार और वातावरण देकर हम बच्चों का जो विकास करना चाहते हैं, वह कभी भी हमारी इच्छाओं के अनुरूप नहीं हो सकता। किंतु ऐसा सोच पाने में भी हम असमर्थ हैं। हमें लगता है कि एक चुप बच्चा, एक सर झुकाया हुआ बच्चा हमें आदर दे रहा है और वह संस्कारयुक्त है। लेकिन उसके मन में किस प्रकार की घृणा या ईर्ष्या पनप रही है, इसका भी हमें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं होता। जब तक कि वह बच्चा बड़ा होकर या बड़ा होने से पहले कुछ अनाप-शनाप न कर ले!!

और फिर हम सोचते हैं कि हमसे गड़बड़ी क्या हुई और तब भी हम में से शायद ही कोई मां-बाप इस बात को समझ पाता हो कि उनसे यह गड़बड़ी हुई है। हम सभी पेरेंट्स बहुत मासूम हैं। हमें लगता है कि डांट या मार-कुटाई ही बच्चों को सुधारने का एक सर्वप्रमुख माध्यम है। लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। संवाद ही किसी को सीखने का सर्वोत्तम आचरण हो सकता है, इसके सिवा संसार में कोई भी दूसरी बात किसी को कुछ भी नहीं सिखा सकती। हमें यह चाहिए कि बच्चों ने जो उपलब्धि हासिल की है। जिन विषयों में अच्छे नंबर प्राप्त किए हैं, उसके लिए उसकी भरपूर तारीफ कर दें। कम-से-कम यह जानते हुए कि वह बहुत ही छोटा बच्चा है, उसकी तारीफ के पुल बांधते हुए हम उसे आसमान पर चढ़ा दें और फिर धीरे से बताएं कि बेटा (बिटिया भी) यदि तुमने इस विषय में भी ऐसा नहीं करके ऐसा किया होता, तो इस विषय में भी तुमारे बहुत अच्छे मार्क्स आते और तुम्हारा रजिल्ट हर्डेड परसेंट सम्मसे होता।

और हाँ ! यह ध्यान रखिए कि मार्क्स की

थोड़ी-सी कमी-बेसी के कारण बच्चों के साथ कोई भी बुरा व्यवहार मत करिए। क्योंकि हमारा यह बुरा व्यवहार बच्चों को अंदर तक हिला देता है। हम नहीं जानते कि हम जिस टोन में बात कर रहे हैं और बच्चों को अपने मां-बाप के अधिकार के कारण किस प्रकार बुरी तरह से डांट रहे हैं, वह व्यवहार उन बच्चों को बहुत गहरे तक प्रभावित कर रहा है और वह व्यवहार परत-दर-परत उसके भीतर एक कुर्सस्कार के रूप में जमता जा रहा है, जो कभी ज्वालामुखी भी बन सकता है। जिसका हमें कभी नहीं पता होता कि वह कब फटेगा। लेकिन वह फटना जरूर है।

हां। कभी-कभी यह हो सकता है कि समय के साथ बच्चे को यह समझ आ जाए कि मां-बाप जो मुझे डांट रहे थे, वह मेरे अच्छे के लिए ही डांट रहे थे। लेकिन बहुतों बार ऐसा नहीं होता, उन बच्चों का क्या ?? जब तक कि बच्चे यह समझे कि उन्हें किस चीज के लिए डांटा गया है, उससे पहले ही वह अपना ही कुछ बुरा कर लें, तब उसका क्या ?? किंतु डांट और जुरे व्यवहार में जो फर्क होता है, यह भी हमें पता होना चाहिए। याद रहे कि उनकर हम बच्चों को डांटते नहीं हैं, बल्कि उनके मानसिक विकास को अवरुद्ध ही करते हैं!

बच्चों का क्लास में थोड़ा-सा पीछे रह जाना हमेशा हमारी इच्छाओं पर कुतराघात नहीं होता। यह भी हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए और यह भी समझना चाहिए कि हर बच्चे की अपनी क्षमता है और उसकी एक रुचि भी है। तो उसकी रुचि के अनुसार उसका कार्यक्रम बनाएं और उसे उसकी इस रुचि के अनुसार पढ़ने की बात-बात में कुछ-कुछ सीखने की, हंसने की, गुनगुनाने की चेष्टा करते हुए उसे सही माध्यम की ओर लेकर जाएं, तो फिर ये समस्याएं अपने आप ही छूट जाएंगी। लेकिन तब भी आप यह निश्चित समझिए कि सारे बच्चे टॉप नहीं कर सकते। क्लास के सभी बच्चे 90व से ऊपर के मार्क्स नहीं ला सकते। इसलिए जो 50व 40व में बच्चे रह गए हैं, उन्हें और ज्यादा मूलाभियत के साथ उनकी क्षमताओं को तीव्र करने में अपना योगदान बहाएं। उन्हें खेल-खेल में ही उचित प्रशिक्षण दें। किन्तु इस प्रशिक्षण में कभी भी उपदेश न हो, बल्कि कुछ प्यारी-प्यारी बातें हो, कुछ कहानियां-सी हों। बच्चों की रुचि के अनुसार सुसंगत बातें हों। तो अपने-आप ही बहुत कुछ बदल जाएगा।

हालांकि अंत में यह बात फिर से कहना चाहूंगा कि क्लास के सभी बच्चे कभी भी टॉप में नहीं होंगे। कुछ बच्चे टॉप टैन में होंगे। कुछ बच्चे उसके बाद ही होंगे। इसलिए जो पीछे रह गए हैं, उनको हमारे और भी ज्यादा अच्छे आचरण की और भी ज्यादा प्यार की और भी ज्यादा विशेष संरक्षण की आवश्यकता है। इसे हम भली प्रकार समझ लें और बच्चे के कैरियर से अधिक उसे सभी के साथ उचित तरीके सामंजस्य पूर्ण जीने के लिए संस्कारवान बनाने में उसकी सहायता करें, यही हमारी हमेशा की और सबसे महती आवश्यकता है।

‘फ्री रजिस्ट्री’ पर ग्रहण?

डॉ अरुण कुमार

झारखंड अपनी अनूठी व निराली सभ्यता, सांस्कृतिक पहचान, प्राकृतिक समृद्धि और लोक परंपराओं के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। झारखंड का आशय झाड़ू भूमि का प्रदेश अर्थात छोटे-बड़े पेड़-पौधे का स्थल। इस पावन भूमि की संस्कृति का मूल मंत्र प्रकृति के साथ सामंजस्य बिखकर जीना है। यहाँ के त्योहार केवल उत्सव मात्र नहीं हैं, बल्कि वे जीवन के फलसफे, मानवीय संबंधों और पर्यावरण के प्रति अगाध प्रेम को दर्शाते हैं। झारखंड के इन्हीं महान लोक-उत्सवों में से एक सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक त्योहार है-करमा पूजा है। जो मूल रूप से झारखंड के आदिवासी समाज (जैसे उरांव, मुंडा, संथाल, हो) तथा यहाँ के मूलवासियों (सदानों) द्वारा ह्योंझास के साथ मनाया जाने वाला पर्व है। यह पर्व भाद्रपद (भादो) मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी (तिथि) को मनाया जाता है। यह त्योहार जहाँ एक ओर भाई-बहन के अटूट और पवित्र प्रेम का प्रतीक है, वहीं दूसरी ओर यह कृषि, प्रकृति की उत्पादकता और मानवीय कर्म (मेहनत) का जीवंत उत्सव है।

यह त्योहार छोटा नागपुर एवं संथाल परगना में बड़े धूमधाम से मनाया जाते है। यह त्योहार जनजाति व सदान दोनों वर्गों में प्रचलित है। रांची, लोहरदगा, गुमला ,हजारीबाग ,गिरिडीह रामाड़,कोडरमा, दुमका, साहिबगंज आदि जिलों में विशेष रूप से मनाया जाते है। इन दिनों इस पर्व में आधुनिकता का भी प्रभाव देखने को मिलता है। जिसमें डीजे का इस्तेमाल नृत्य के लिए किया जाने लगा है।

कर्म पूजा प्रारंभ होने के ऐतिह्यसिक कारण

झारखंड में ऐसी कथा प्रचलित है कि प्राचीन काल में करम और धरम नाम के दो भाई थे। करम नाम के अनुसार कर्म (कठिन परिश्रम) में विश्वास रखता था, जबकि धरम धर्म और भाग्य की लकरी पर भरोसा करता था। एक बार करम ने अपने खेत में कड़ी मेहनत की, जिससे उसकी फसल बहुत अच्छी हुई। उसने खुशी में एक करम वृक्ष की शाखा को आगन में गाड़कर उसकी पूजा की और नृत्य-संगीत का आयोजन किया।दूसरी ओर, धरम को लगा कि यह सब केवल भाग्य के कारण है।एक बार धरम ने गुस्से में आकर करम राजा (करम वृक्ष) का अपमान किया और उसे उखाड़कर नदी में फेंक दिया। इसके बाद दोनों भाइयों के दिन फलटने लगे। खेतों की फसलें सूख गईं, घर में दारिद्रता छा गई और वे दाने-दाने को मोहताज हो गए। तब धरम को अपनी भूल का अहसास हुआ। वह करम राजा को वापस प्रसन्न करने के लिए

निकल पड़ा। रास्ते में उसे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। अंततः, एक नदी में बहते हुए करम वृक्ष की डाली को उसने पूरे आदर के साथ निकाला, घर लाकर उसे स्थापित किया और क्षमा मांगते हुए उसकी पूजा की। इसके बाद उनके घर में पुनः सुख-समृद्धि लौट आई।

करमा पूजा की विधियां और अनुष्ठान – करमा पूजा का अनुष्ठान केवल एक दिन का नहीं होता, बल्कि इसकी तैयारियां नौ दिन पहले से ही शुरू हो जाती हैं। यह एक व्यवस्थित और अत्यंत पवित्र विधि है, जिसमें कुंवारी युवतियों की भूमिका मुख्य होती है। जिन्हें करमद्धति कहा जाता है।

1. जावा जगाना (नौ दिन पहले)करमा एकादशी से सात या नौ दिन पहले, गांव की कुंवारी लड़कियां नदी या तालाब से साफ बालू (रेत) लाती हैं। इस बालू को बांस की छोटी-छोटी टोकरियों में भरा जाता है। इसके बाद इसमें सात या नौ प्रकार के अनाज (जैसे धान, गेहूं, मक्का, चना, उड़द, कुर्छी और मूंग) के बीज बोए जाते हैं। इसे जावा कहा जाता है। लड़कियां रोजाना सुबह-शाम इन टोकरियों के चारों ओर इकट्ठा होकर पारंपरिक लोकगीत गाती हैं और जावा को जगाती हैं (अंकुरित होने के लिए प्रेरित करती हैं)।हल्दी के पानी के छिड़काव से ये अंकुर पीले रंग के बेहद खूबसूरत दीखते हैं। यह जावा नई फसल की उत्पादकता और बहनों के अपने भाइयों के प्रति प्रेम और समृद्धि की कामना का प्रतीक है।

2. करम वृक्ष की डाली लावा: उत्सव के मुख्य दिन (एकादशी), गांव के पाहु (पुजारी) या गांव के नौजवान जंगल जाते हैं। वे पूरे आदर और धार्मिक नियमों के साथ करम वृक्ष की दो सुंदर और स्वस्थ शाखाओं को काटते हैं। इन डालियों को जमीन पर नहीं गिरने दिया जाता। इन्हें बड़े सम्मान के साथ गाजे-बाजे के साथ गांव लाया जाता है।3. आंगन या अरवा में स्थापना और मुख्य पूजा- गांव के अखाड़े या घर के आंगन के बीचों-बीच एक गाड़ा किया जाता है, जहाँ इन दोनों डालियों को गाड़ा जाता है। इन डालियों को करम राजा माना जाता है। शाम के समय, सभी करमियाँ नए वस्त्र पहनकर, सोलाह शृंगार कर। हाथों में जावा की टोकरी और पूजा की थाली (जिसमें दीया, धूप, अक्षत, फूल और खीरा होता है) लेकर करम डाली के चारों ओर बैठती हैं। गांव का पुजारी या घर का बुजुर्ग व्यक्ति करम-धरम की ऐतिहासिक कथा सुनाता है। सभी लोग पूरी श्रद्धा से इस कथा को सुनते हैं।बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रखा सूत्र बांधती हैं और उनके लंबे, स्वस्थ तथा समृद्ध जीवन की कामना करती हैं।

आपको बता दें 2003 में नोएडा

के निठारी गांव के लोगों ने इलाके से

लडकियों और बच्चों के अचानक

लापता होने की शिकायतें करनी शुरू

कीं। हालाकि, नोएडा पुलिस ने इनमें

से कई मामलों में शिकायत तक दर्ज

नहीं की। जिन मामलों में शिकायत

दर्ज हुई, उनमें भी ज्यादा प्रगति नहीं

हुई।मई 2006 में इस मामले में बड़ा

मोड़ आया।एक पिता अपनी लापता

बेटी की शिकायत लेकर पुलिस के

पास पहुंचा। उसने बताया कि लापता

होने वाले दिन उसकी बेटी नोएडा के

सेक्टर-31 में निठारी के पास रहने

वाले मोनिंदर सिंह पंडेर की कोठी गई

थी। जून तक इस मामले में

एफआईआर दर्ज नहीं हुई। इसके

बाद पिता ने एक वरिष्ठ पुलिस

अधिकारी के सरकारी आवास के

बाहर हंगामा किया, तब जाकर

मामला दर्ज हुआ।

मनोज कुमार अग्रवाल

कहते हैं कि जब भगवान की लाटी पड़ती है तो आवाज तक नहीं आती। कुछ ऐसा ही नोएडा के चर्चित निठारी कांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली के मामले में देखने को मिल रहा है। 2006 में निठारी कांड देश के अपराधिक मामलों में सबसे अधिक क्रूरता पाशविकता भरी दर्जनों गुमशुदा बच्चों और किशोरों के अपहरण और नृशंस हत्या से जुड़ा सीरियल किलिंग का मामला था जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। बच्चों के रहस्यमय ढंग से गायब होने, उनके साथ हुई हैवानियत और फिर नाले से मिले मासूम बच्चों के अंगों और कंकालों की तस्वीरों ने हर संवेदनशील मन को कपकंपा दिया था। अब 18 सितंबर 26 को इस मामले के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली की हरिद्वार में हुई सदिध्य परिस्थिति में मौत ने उस खौफनाक सीरियल किलिंग कांड के अंतिम पन्ने पर एक ऐसा पूर्णविराम लगा दिया है, जो बता रहा है कि सरकारी अदालतों से इतर भी कोई अदालत है जो देर सवेर ईसाफ करती है यह बताता है कि गरीब मजलूम असमर्थ और धन सत्ता की ताकत से रीते लोगों की आहों में भी एक ऐसी ताकत होती है जिसे खुद सबसे बड़ी भगवान या सर्वशक्तिमान की अदालत सुनती है और अपने ढंग से न्याय करती है।

आपको बता दें कि 18 सितंबर 2026 को भारत के सबसे चर्चित निठार हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली का शव हरिद्वार में मुख्य चाय के खोखे में लटका हुआ मिला, जिसके बाद पुलिस ने शुरुआती तौर पर इसे आत्महत्या का मामला माना है। दो दशक तक चले इस बेहद खौफनाक और जटिल कानूनी मामले का अंत इस तरह एक रहस्यमयी मोड़ पर आकर हुआ है।

आपको बता दें 2003 में नोएडा के निठारी गांव के लोगों ने इलाके से लडकियों और बच्चों के अचानक लापता होने की शिकायतें करनी शुरू कीं। हालांकि, नोएडा पुलिस ने इनमें से कई मामलों में शिकायत तक दर्ज नहीं की। जिन मामलों में शिकायत दर्ज हुई, उनमें भी ज्यादा प्रगति नहीं हुई।मई 2006 में इस मामले में बड़ा



मोड़ आया। एक पिता अपनी लापता बेटी की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचा। उसने बताया कि लापता होने वाले दिन उसकी बेटी नोएडा के सेक्टर-31 में निठारी के पास रहने वाले मोनिंदर सिंह पंडेर की कोठी गई थी। जून तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई। इसके बाद पिता ने एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के सरकारी आवास के बाहर हंगामा किया, तब जाकर मामला दर्ज हुआ।लापता युवती के फोन को ट्रेस करने पर पुलिस सुरेंद्र कोली तक पहुंची। उस समय कोली पंडेर के घर पर नीकर के रूप

में काम करता था। कोली को गिरफ्तार किया गया,

लेकिन जल्द ही जमानत पर छोड़ दिया गया।

दिसंबर 2006 में पंडेर के घर के पीछे एक नाले में प्लास्टिक की थैलियों में मानव कंकालों के अवशेष और लापता लोगों का सामान मिला। इसके बाद पुलिस ने 29 दिसंबर को कई महिलाओं और बच्चों के अपहरण और हत्या के आरोप में कोली और पंडेर को गिरफ्तार कर लिया। मामले ने अब राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरनी शुरू कर दी थीं। साथ ही निठारी मामले में नोएडा पुलिस की पहले की लापरवाही और जांच में नाकामी पर भी सवाल उठ रहे थे। इसके बाद 10 जनवरी 2007 को10 जनवरी 2007 को जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दी गई। सीबीआई की फॉरेंसिक टीम ने पंडेर के घर की दोबारा तलाशी ली और

मानव कंकालों के अवशेष तथा गंभीर अपराधों से जुड़े सबूत बरामद किए।सीबीआई ने 1 मार्च को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कोली का कबूलनामा दर्ज किया। कोली ने हत्या की घटनाओं के बारे में बहुत विस्तार से बताया। उसने कहा कि वह पीड़ितों को बहला-फूसलाकर कोठी के अंदर लाता था, उनका गला घोटता था और फिर उनके शरीर के टुकड़े कर उन्हें पकाकर खाता था।

नोएडा पुलिस ने 19 अलग-अलग लड़कियों से जुड़े अपराधों के मामले में पंडेर और कोली के

खिलाफ 19 प्राथमिकियां दर्ज की थीं। इनमें से 16 मामलों में सीबीआई ने आरोपपत्र दाखिल किए। 2007 में इनमें से एक मामले में दाखिल आरोपपत्र में सीबीआई ने दावा किया था कि कोली में मृत शरीरों के प्रति यौन आकर्षण और इसानी मांस खाने जैसी प्रवृत्तियां थीएक विशेष सीबीआई अदालत ने 13 फरवरी 2009 को एक 14 साल की लड़की से बलात्कार और हत्या के मामले में पहली बार कोली और पंडेर दोनों को दोषी ठहराया और मौत की सजा सुनाई। अपील पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पंडेर को बरी कर दिया,

लेकिन कोली की मौत की सजा को बरकरार रखा।इसके बाद कोली ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने 2011 में उसकी अपील और 2014 में पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी। लेकिन जनवरी 2015 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दया याचिका पर फैसला देने में हुई अत्यधिक देरी को आधार बनाते हुए कोली की मौत की सजा को उपकैद में बदल दिया।अक्टूबर 2023 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सबूतों की कमी, प्रक्रियागत खामियों और प्रताड़ना के आरोपों को देखते हुए कोली को 12 मामलों में और पंडेर को 2 मामलों में बरी कर दिया। पंडेर अक्टूबर 2023 में जेल से बाहर आ गया, जबकि कोली की रिहाई नवंबर 2025 में हुई।

इस स्थिति में एक कानूनी विरोधाभास पैदा हो गया था। लोग 12 मामलों में बरी हो चुका था, लेकिन लगभग उन्हीं सबूतों के आधार पर एक मामले में अब भी दोषी था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे न्याय का बड़ा विरोधाभास माना और अपनी क्यूरेटिव शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि समान सबूतों पर दो परस्पर विरोधी फैसले एक साथ नहीं रह सकते हैं।

जनगणना में ओबीसी के पृथक कॉलम जोड़ने की उठी मांग, कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

नारायणपुर। आगामी जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की पृथक गणना एवं ओबीसी वर्ग की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति से संबंधित आंकड़े जुटाने की मांग को लेकर कांग्रेस ने नारायणपुर में आवाज बुलंद की। जिला कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष माधेश्वर जैन के नेतृत्व में राज्यपाल छत्तीसगढ़ शासन के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम शामिल करने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि देश में ओबीसी वर्ग की बढ़ी आबादी है, लेकिन जनगणना में ओबीसी की वास्तविक जनसंख्या का स्पष्ट आंकड़ा उपलब्ध नहीं होने के कारण इस वर्ग की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सही आकलन करने में कठिनाई होती है। कांग्रेस ने मांग की कि आगामी जनगणना में ओबीसी की अलग से गणना की जाए, ताकि उनकी वास्तविक जनसंख्या के साथ-साथ सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति का भी आंकड़ा सामने आ सके। कांग्रेस महासचिव एवं मिडिया प्रभारी रवि देवांगन ने कहा कि ओबीसी की जनसंख्या के वास्तविक



आंकड़े उपलब्ध होने से सरकार को इस वर्ग के लिए योजनाएं बनाने और उनके प्रभावी क्रियान्वयन में मदद मिलेगी। साथ ही शिक्षा, रोजगार, प्रतिनिधित्व तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में भी आंकड़ों के आधार पर नीतियां तैयार की जा सकेंगी। ज्ञापन सौंपने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि ओबीसी

वर्ग लंबे समय से जनगणना में पृथक आंकड़े दर्ज किए जाने की मांग करता रहा है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से इस मांग पर गंभीरता से विचार करते हुए आगामी जनगणना में ओबीसी का पृथक कॉलम जोड़ने की मांग की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष गौतम पटेल, रामेश्वर

पटेल, बंसी लाल पटेल, रमेश यादव, टीलू राम नाग, वीरेंद्र पटेल, बाल सिंह यादव, सियालाल मंडवी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उन्होंने तहसीलदार के माध्यम से राज्यपाल छत्तीसगढ़ शासन तक अपनी मांग पहुंचाते हुए ओबीसी वर्ग की जनगणना को लेकर आवश्यक पहल किए जाने की मांग की।

कब-बुलबुल टीम ने मनाई भगत सिंह और लता मंगेशकर की जयंती, श्रद्धांजलि अर्पित कर राष्ट्रहित में कार्य करने का लिया संकल्प

कोण्डगांव। भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ कोण्डगांव से संबद्ध शासकीय प्राथमिक शाला डोंगरीपारा में 28 सितंबर को महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह एवं स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में दोनों महान विभूतियों के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का आयोजन जिला संरक्षक एवं कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना तथा जिला आयुक्त एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती प्रधान के निर्देशानुसार किया गया। जिला सचिव चमन लाल सोरी, जिला संगठन आयुक्त गाइड श्रीमती संजना हरमीट एवं संकुल समन्वयक महेंद्र देवांगन के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व एडवांस कब मास्टर पवन कुमार साहू ने किया। इस अवसर पर शासकीय उच्च प्राथमिक शाला डोंगरीपारा की शाला नायक कुमारी मुस्कान निषाद ने भगत सिंह के जीवन एवं देश के प्रति उनके बलिदान पर प्रकाश डाला। वहीं पवन कुमार साहू ने भगत सिंह के



विचारों और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान की जानकारी विद्यार्थियों को दी। कार्यक्रम के दौरान लता मंगेशकर के भारतीय संगीत में योगदान और उपलब्धियों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। वक्ताओं ने कहा कि भगत सिंह का त्याग और लता मंगेशकर की कला एवं देशभक्ति से जुड़ी आवाज आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी। इस अवसर पर एडवांस कब मास्टर पवन कुमार साहू

ने विद्यार्थियों को राष्ट्रहित में कार्य करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में प्रधान अध्यापक रामधन नरेटी, श्रीमती बिंदा भंडारी, शिक्षक ध्रुव, सहदेव मरकाम, त्रिनाथ मारकडे, श्रीमती केटोकी राणी घर, श्रीमती रेणु लता श्रीवास्तव, श्रीमती स्मृति बक्शी, कृष्ण कुमार यादव, श्रीमती अरुणा नेताम सहित कब-बुलबुल टीम एवं डोंगरीपारा और लोहरापास के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आपदा पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए स्कूली बच्चे, छिंदबहार स्कूल के छात्रों और शिक्षकों ने कलेक्टर को सौंपी राहत राशि

जगदलपुर। बस्तर संभाग में हाल ही में आई सदी की सबसे भयानक प्राकृतिक आपदा के बीच मानवीय संवेदना और सामाजिक एकजुटता की एक प्रेरक मिसाल सामने आई है।

बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान अर्नब के प्रभाव के कारण 23 से 26 सितम्बर के दौरान पूरे अंचल में लगातार मूसलाधार बारिश हुई थी। इस भीषण वर्षा के चलते पड़ोसी राज्य ओडिशा स्थित खातीगुड़ा और मुगुन बांध के गेट खोलने पड़े, जिससे नदियों का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया और बस्तर में आई भीषण बाढ़ ने पिछले 50 वर्षों के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। इस जलप्रलय से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और निचले इलाकों में भारी



तबाही मची है। आपदा की इस विषम परिस्थिति में प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए दरभा विकास खंड के ग्राम छिंदबहार स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने संवेदनशीलता की अनुभूति मिसाल पेश की है। स्कूल के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्ट्रेट स्थित प्रेरणा कक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक के

दौरान पहुंचकर कलेक्टर आकाश छिक्रा से मुलाकात की और बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए अपनी ओर से 5,001 रुपये की आर्थिक सहायता राशि सौंपी। इस संकट की घड़ी में एक ग्रामीण सरकारी स्कूल के बच्चों और शिक्षकों द्वारा की गई इस आत्मीय पहल की कलेक्टर ने बारी बारीप्रशंसा की, जिसकी पूरे क्षेत्र में सरहना हो रही है।

जगदलपुर। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, कचनार की वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति से जुड़े अंशधारी कृषकों एवं सम्माननीय सदस्यों का स्वागत किया गया। आयोजन का उद्देश्य सहकारी समिति की गतिविधियों, कृषकों से जुड़े विषयों तथा समिति के कार्यों के संबंध में सदस्यों के साथ संवाद करना रहा। वार्षिक आमसभा सहकारी संस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण अवसर होती है, क्योंकि इसमें समिति से जुड़े सदस्यों को संस्था की गतिविधियों और कृषकों से संबंधित विषयों पर चर्चा का अवसर मिलता है। कचनार में आयोजित इस कार्यक्रम में भी अंशधारी कृषकों का स्वागत करते हुए उनकी सहभागिता को महत्व दिया गया। कार्यक्रम के



दौरान सहकारी समिति और कृषकों के बीच आपसी सहयोग तथा सहभागिता को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। सहकारी व्यवस्था में किसानों की भागीदारी को महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इसके माध्यम से कृषि से जुड़े विभिन्न कार्यों और सेवाओं को सामूहिक रूप से संचालित करने में मदद मिलती है। वार्षिक आमसभा के अवसर पर समिति के कामकाज और अंशधारी

सदस्यों से जुड़े विषयों पर चर्चा किए जाने की परंपरा है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से सदस्यों को संस्था की गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने तथा अपने सुझाव रखने का अवसर मिलता है। आयोजन में समिति की ओर से सभी सम्माननीय अंशधारी कृषकों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम ने सहकारिता के माध्यम से कृषकों को एक मंच पर जोड़ने और आपसी

सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। कृषि क्षेत्र में सहकारी समितियां स्थानीय स्तर पर किसानों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। किसानों की सामूहिक भागीदारी से संस्था के कार्यों में पारदर्शिता, संवाद और सहयोग को बढ़ावा मिलता है। इसी उद्देश्य से आयोजित वार्षिक आमसभा में अंशधारी कृषकों की उपस्थिति और सहभागिता कार्यक्रम

का प्रमुख हिस्सा रही। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, कचनार की इस वार्षिक आमसभा के माध्यम से शाखा प्रबंधक मदन सेठिया प्राधिकृत अधिकारी बलिराम बघेल समिति प्रबंधक श्रीमती ललिता राव , के द्वारा अंशधारी कृषकों को साथ लेकर सहकारी संस्था की गतिविधियों को आगे बढ़ाने तथा आपसी समन्वय बनाए रखने का संदेश दिया गया।

पाँचों विकासखंडों के शिक्षक-विद्यार्थियों ने देखा पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय का मॉडल

बस्तर की कला को शिक्षा से जोड़ने और अनुभवात्मक शिक्षण की पहल

कोण्डगांव। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में जिले में पहली बार पाँचों विकासखंडों के चयनित विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय कोण्डगांव पहुंचे। यह पहल जिला भूगोल प्रयोगशाला परियोजना के अंतर्गत की गई, जिसका उद्देश्य भूगोल विषय को बस्तर की कला, संस्कृति और स्थानीय जीवन से जोड़कर अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देना है। विद्यालय के प्राचार्य नंदकिशोर वासनिक एवं हेड मेंटर विनायक कोहली ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान शिक्षकों एवं



विद्यार्थियों ने सोशल साइंस लैब और मिनी बस्तर आर्ट म्यूजियम कॉर्नर का अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने बस्तर की पारंपरिक कलाकृतियों के बारे में जानकारी प्राप्त की और समझा कि स्थानीय कला, संस्कृति, मिट्टी, फसल, शिल्प एवं जीवनशैली का

संबंध भूगोल से भी है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए, वहीं शिक्षकों ने प्रयोगशाला निर्माण एवं आधारभूत सुविधाओं से जुड़े व्यावहारिक चुनौतियों पर चर्चा की। हेड मेंटर विनायक कोहली ने कहा कि बच्चों को केवल पुस्तकीय

ज्ञान देने के बजाय उन्हें सीखने का प्रत्यक्ष अनुभव उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बस्तर की कला को शिक्षा से जोड़कर नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है।

वोट चोरी के आरोपों पर कांग्रेस का हल्लाबोल,नारायणपुर में जोरदार प्रदर्शन, कलेक्टर कार्यालय तक मार्च को पुलिस ने हाई स्कूल मैदान में रोका, जय स्तम्भ चौक पर फूँका पुतला

नारायणपुर। चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी और 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटि नारायणपुर के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने कलेक्टर कार्यालय तक मार्च निकालते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए जय स्तम्भ चौक में पुतला जलाया गया। मार्च के दौरान पुलिस प्रशासन ने भारी बल तैनात कर हाई स्कूल मैदान में ही प्रदर्शनकारियों को रोक दिया और उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं दी। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कथित



वोट चोरी के जरिए सत्ता में कब्जा रहना चाहती है। इंडियन एक्सप्रेस की हालिया रिपोर्ट में चुनाव आयोग के भीतर दर्ज आपत्तियों को लेकर सामने आई जानकारी का हवाला देते हुए कांग्रेस नेताओं ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए और निष्पक्ष जांच की मांग की। मार्च के बाद जय स्तम्भ चौक पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया। पुतला दहन

के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चारों ओर घेरा बना लिया, जिसके चलते पुलिस पुतले को बुझा नहीं सकी और वह पूरी तरह जल गया। इस दौरान कार्यकर्ता भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लगातार नारेबाजी करते रहे। कांग्रेस ने कहा कि लोकतंत्र में जनता के वोट की सुरक्षा सर्वोपरि है और चुनावी पारदर्शिता पर उठ रहे सवालों का जवाब देना चुनाव आयोग की

जिम्मेदारी है। हालिया राष्ट्रीय विवाद में कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की है। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश दीवान, पीसीसी महासचिव रजनु नेताम, पीसीसी सचिव देवनाथ उसेडी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष रघु मानिकपुरी, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष बिसेल नाग, आदिवासी कांग्रेस प्रकोष्ठ अध्यक्ष मैनु कुमेटी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पण्डी वट्टू, प्रसासनिक महासचिव शेख तौहीद अहमद, संगठन महासचिव संजय राय, शहर कांग्रेस प्रभारी रवि देवांगन, कांग्रेस प्रवक्ता अमित भद्र, कोषाध्यक्ष वीपी शुक्ला, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रमोद नैलवाला, जिला कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष माधेश्वर जैन।

बाढ़ पीड़ितों को तुरंत मिले मुआवजा, विकास कार्यों और किसान पंजीयन में ताल अद्यतन प्रगति

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 'पारस' पोर्टल की समीक्षा में दिए निर्देश

जगदलपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'प्रोजेक्ट असेसमेंट रिव्यू एनालिसिस सिस्टम' (पारस) की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्य सचिव विकास शील, प्रमुख सचिव सुबोध सिंह सहित राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि पारस पोर्टल के गठन का मुख्य उद्देश्य राज्य में बुनियादी अधोसंरचना और विकास परियोजनाओं को तय समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा कराना है। इसके लिए उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को आपसी समन्वय के साथ विकास कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अधोसंरचना कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ हालिया भारी बारिश और बाढ़ से उपजी स्थिति पर विशेष रूप से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने बस्तर और सुकमा सहित प्रदेश के सभी



प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल व्यापक सर्वेक्षण करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहानि, पशुहानि, मकानों की क्षति और फसलों के नुकसान का त्वरित आकलन कर आरबीसी 6-4 के तहत तय समयसीमा के भीतर

मुआवजा वितरित किया जाए। इसके अलावा जिन परिवारों के मकान पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें मुख्यमंत्री सहायता कोष से 10 हजार रुपये की तत्काल राहत राशि उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने राहत शिविरों में भोजन और

आवश्यक सुविधाएं अनवरत जारी रखने, जलजनित बीमारियों की रोकथाम हेतु स्वास्थ्य शिविर सक्रिय रखने तथा पेयजल स्रोतों के क्लोरीनेशन के साथ क्लोरीन की गोлияयां बांटने के निर्देश दिए। साथ ही क्षतिग्रस्त सड़कों, पुल-पुलियों,



भवनों, बिजली लाईन और जलापूर्ति संरचनाओं की समयबद्ध मरम्मत के प्रस्ताव भेजने को कहा, जिससे जनजीवन जल्द सामान्य हो सके। उन्होंने जनहानि के मामलों में 'प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना' और फसलों के नुकसान में

संबंधित बीमा योजनाओं के क्लेम भी शीघ्रता से स्वीकृत करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने किसान हित को राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता निरूपित करते हुए जोर दिया कि धान बेचने वाला कोई भी वास्तविक किसान एग्रीफैक्ट पंजीयन से वंचित

न रहे। पिछले वर्ष के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए इस बार समय रहते शत-प्रतिशत पात्र किसानों को पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही डिजिटल क्रीप सर्वे में पीछे चल रहे जिलों को विशेष ध्यान देने और खेतों में फसल खड़े रहने के

दौरान ही सर्वेक्षण तत्परता से पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' की प्रगति की भी समीक्षा की गई, जिसके तहत मार्च 2027 तक 5 लाख घरों के लक्ष्य के मुकामले अब तक लगभग 1.10 लाख की प्रगति दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने तय समय में लक्ष्य हासिल करने के लिए वेडर्स की संख्या बढ़ाने और बैंकों से बेहतर तालमेल बनाकर ऋण प्रक्रिया को सुगम बनाने के निर्देश दिए। अंत में उन्होंने सभी अधिकारियों से शासन की प्राथमिकताओं और जनकल्याणकारी योजनाओं को संवेदनशीलता व पूरी सजगता के साथ धरातल पर क्रियान्वित करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। उक्त बैठक के दौरान जिला कार्यालय के एनआईसी कक्ष में कैमिस्टर बस्तर डोमन सिंह, कलेक्टर आकाश छिक्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

सेवा संकल्प अभियान : सेवा की कहानी
सेवा सेतु से अक्षय कुमार को घर के
नजदीक मिली शासकीय सेवा

बिलासपुर। शासन की डिजिटल सेवाओं का लाभ अब आम नागरिकों को घर के नजदीक और सुविधाजनक तरीके से मिल रहा है।



विभिन्न शासकीय सेवाओं को सरल और सुगम बनाने के उद्देश्य से जिले में संचालित सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को आवश्यक प्रमाण पत्र एवं अन्य सेवाओं का लाभ कम समय में मिल रहा है। विकासगण्ड तखतपुर के ग्राम भाड़म निवासी अक्षय कुमार सोनवानी को भी सेवा सेतु के माध्यम से त्वरित सेवा का लाभ मिला। आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए उन्होंने सेवा सेतु केंद्र गनियारी में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद महज कुछ ही दिनों में उनका आय प्रमाण पत्र तैयार हो गया। पहले आवश्यक प्रमाण पत्र बनवाने के लिए नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर लगाने और प्रक्रिया पूरी होने में अधिक समय लगने की चिंता रहती थी। सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से आवेदन करने पर अक्षय कुमार को निर्धारित प्रक्रिया के तहत कम समय में आय प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। इससे उनका समय और श्रम दोनों बचा तथा शासकीय सेवा प्राप्त करना उनके लिए आसान हुआ। अक्षय कुमार सोनवानी ने समय पर आय प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के लिए शासन की डिजिटल सेवा व्यवस्था के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से आवेदन करना उनके लिए सुविधाजनक रहा और कम समय में प्रमाण पत्र मिलने से उन्हें काफी राहत मिली। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की डिजिटल सेवाओं से हर वर्ग के नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं।

सेवा संकल्प अभियान: सेवा की कहानी
आयुष्मान कार्ड बना स्वास्थ्य का सहारा,
निःशुल्क किडनी उपचार से मिली नई उम्मीद

बिलासपुर। गंभीर बीमारी के उपचार में होने वाला खर्च कई परिवारों के लिए बड़ी आर्थिक चुनौती बन जाता है। ऐसे समय में



आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत सहारा बन रही है। योजना के माध्यम से पात्र हिताग्रहियों को गंभीर बीमारियों के उपचार की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। जिले के सीपत तहसील अंतर्गत ग्राम लगरा निवासी सुश्री प्रशंसा सिंह के लिए भी आयुष्मान कार्ड उनके उपचार का महत्वपूर्ण माध्यम बना है। सुश्री प्रशंसा सिंह किडनी संबंधी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं और उन्हें नियमित रूप से विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार की आवश्यकता है। किडनी की बीमारी के इलाज में लगातार होने वाले चिकित्सा खर्च के कारण उनके परिवार के सामने आर्थिक कठिनाइयां उत्पन्न हो रही थीं। बीमारी के उपचार के साथ-साथ इलाज के खर्च की चिंता भी परिवार के लिए परेशानी का कारण बनी हुई थी। ऐसे समय में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना उनके लिए राहत लेकर आई। योजना के अंतर्गत पात्रतानुसार उन्हें अपोलो अस्पताल, बिलासपुर में किडनी संबंधी बीमारी का आवश्यक एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार निःशुल्क प्राप्त हो रहा है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से उपचार की सुविधा मिलने से उन्हें इलाज के लिए होने वाले आर्थिक व्यय से राहत मिली है। सुश्री प्रशंसा सिंह बताती हैं कि किडनी की बीमारी के कारण उन्हें नियमित उपचार की आवश्यकता रहती है। पहले इलाज के खर्च को लेकर परिवार को काफी चिंता रहती थी, लेकिन आयुष्मान योजना के माध्यम से अपोलो अस्पताल में निःशुल्क उपचार मिलने से यह चिंता काफी कम हुई है।

दानवीर भामाशाह सम्मान के
लिए आवेदन 1 अक्टूबर तक

बिलासपुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा दानवीर भामाशाह सम्मान 2026 के लिए 1 अक्टूबर 2026 तक आवेदन मंगाये गये हैं। यह सम्मान प्रतिवर्ष रण्योत्सव के अवसर पर दानशीला, सौहार्द एवं अनुकरणीय सहायता प्रदान करने वाले व्यक्ति अथवा संस्था को प्रदान किया जाता है। चयनित व्यक्ति अथवा संस्था को एक लाख रुपये की सम्मान राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। सम्मान के लिए आवेदक व्यक्ति अथवा संस्था का छत्तीसगढ़ में निवासित या कार्यरत होना अनिवार्य है। इच्छुक व्यक्ति अथवा संस्थाएं अपना आवेदन 01 अक्टूबर 2026 तक संयुक्त संचालक, समाज कल्याण विभाग, पुरानी कंपोजिट बिल्डिंग, कमरा नंबर-04 में जमा कर सकते हैं।

संभाग स्तरीय रोजगार मेले में 388 युवाओं का
चयन, 11 युवाओं को मौके पर मिले ऑफर लेटर

- 1765 पदों के लिए 18 कंपनियों ने की भर्ती प्रक्रिया, 2970 आवेदक हुए साक्षात्कार में शामिल
- कमिश्नर सुनील कुमार जैन और कलेक्टर संजय अग्रवाल ने युवाओं का बढ़ाया हौसला

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रोजगार विभाग बिलासपुर द्वारा आज मॉडल आईटीआई कोनी में संभाग स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में विभिन्न सेक्टरों से जुड़ी 18 कंपनियों ने लगभग 1765 पदों के लिए

भर्ती प्रक्रिया आयोजित की। रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं ने मेले में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न पदों के लिए 6624 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 2970 आवेदक साक्षात्कार में शामिल हुए। कंपनियों द्वारा 765 आवेदकों को प्रारंभिक रूप से चयनित किया गया तथा 388 युवाओं का अंतिम चयन किया गया। रोजगार मेले में कमिश्नर श्री सुनील कुमार जैन, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं अपर कलेक्टर सुश्री डॉ. ज्योति पटेल उपस्थित रहें। अधिकारियों ने विभिन्न कंपनियों के स्टॉलों का अवलोकन किया और नौकरी के लिए पहुंचे युवाओं से चर्चा कर उनका उत्साहवर्धन किया। कमिश्नर श्री जैन ने कहा कि रोजगार मेले युवाओं और नियोजकों के बीच एक उपयोगी सेतु का काम करते हैं। एक ही स्थान पर विभिन्न



कंपनियों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी मिलने के साथ युवाओं को अपनी योग्यता के अनुरूप नौकरी पाने का अवसर मिला है। उन्होंने चयनित युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए अन्य युवाओं से भी अपने कौशल को लगातार निखारने का

आह्वान किया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि जिले के युवाओं को स्थानीय एवं प्रतिष्ठित निजी संस्थानों में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बिलासपुर में नियमित रूप से रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा

रक्तदान, अंगदान और नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने युवाओं को जोड़ने पर जोर

जनभागीदारी से रेडक्रॉस के सेवा कार्यों को दें विस्तार

- बिल्हा के विद्यालयों में मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति चलेगा जागरूकता अभियान

बिलासपुर। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के राज्य चेयरमैन श्री तोमन साहू की अध्यक्षता में जिला शाखा बिलासपुर की समीक्षा बैठक जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गई। उन्होंने जनभागीदारी से सेवा कार्यों का विस्तार करने और युवाओं की सक्रिय सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल उपस्थित थे। बैठक में जूनियर रेडक्रॉस एवं यूथ रेडक्रॉस को मजबूत करने, सदस्यता अभियान को गति देने तथा



रक्तदान एवं अंगदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर चर्चा हुई। सिकल सेल, टीबी एवं मलेरिया नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय से कार्य करने पर जोर दिया गया। नशामुक्ति अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए सामाजिक संस्थाओं एवं यूथ रेडक्रॉस के युवाओं की सहभागिता से नुकड़ नाटक, लघु चलचित्र और अन्य

माध्यमों से लोगों को जागरूक किया जाएगा। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित रक्तदान शिविरों की जानकारी बैठक में दी गई। इन शिविरों में रक्तदान के साथ रक्त शर्करा, रक्तचाप, हीमोग्लोबिन एवं सिकल सेल की निःशुल्क जांच भी की जा रही है। शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित जिला स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता की जानकारी भी दी गई।

बस्ता एजुकेशन एंड हेल्थ फंडेशन की संस्थापक सुश्री विनीता पटेल ने 'प्रोजेक्ट आरुण' के अंतर्गत मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति प्रस्तावित जागरूकता अभियान की विस्तृत जानकारी दी। एससीसीएल से सामाजिक उत्तरदायित्व मद में प्राप्त 48.96 लाख रुपये की राशि से रेडक्रॉस के सहयोग से बिल्हा विकासखंड के 114 हाई स्कूल एवं कुछ माध्यमिक विद्यालयों में अभियान संचालित किया

जाएगा। बैठक में रेडक्रॉस कार्यालय के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय परिसर में स्थल चयन की जानकारी दी गई। भविष्य में रक्त भंडारण केंद्र की स्थापना, अंगदान के लिए जिला स्तरीय समिति के गठन तथा युवाओं को 'युवोदय रेडक्रॉस मितान योजना' से जोड़ने पर भी चर्चा हुई। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री संदीप पांडेय, राज्य शाखा के वाइस चेयरमैन श्री बालाराम साहू एवं सदस्य श्री केशव साहू, प्रबंध समिति के चेयरमैन डॉ. बी.एल. गोयल, कोषाध्यक्ष श्री अमरजीत सिंह दुआ, राज्य प्रतिनिधि श्री ब्रजेन्द्र शुक्ला, प्रबंध समिति के सदस्य डॉ. राजीव अवस्थी, श्री सुरेंद्र गुप्तर एवं श्री श्रीकांत सहारे, रेडक्रॉस सचिव डॉ. शुभा ग्रेवाल, नोडल अधिकारी डॉ. एम.ए. जीवानी, जिला समन्वयक श्री सौरभ सक्सेना एवं सहायक जिला अधिकारी श्री आदित्य पांडेय उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के पूर्व वरिष्ठजनों के लिए खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित..

बिलासपुर। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के पूर्व आज वरिष्ठ नागरिकों के लिए बृहस्पति बाजार स्थित अनुभव भवन में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुर्सी दौड़, मटका फेड़, बकेट बॉल और पासिंग बॉल जैसे खेलों में वरिष्ठजनों ने बड़े उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।



मोकासे, श्री संजय खुरना, वंमशी कृष्ण सिलारपू, उपेन्द्र सिंह, बसंत श्रीवास, रमाशंकर शुक्ला, रंजीत सिंह एवं अन्य वरिष्ठजनों के संगठनों के पदाधिकारी एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित थे। विभाग के संयुक्त संचालक के श्री टीपी भावे ने बताया कि 1 अक्टूबर 2026 को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री स्कूल परिसर स्थित पं. देवकीनंदन दीक्षित सभागृह में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

- लैंगिक समानता, बाल संरक्षण एवं किशोर सशक्तिकरण पर जिला स्तरीय कार्यशाला

बिलासपुर। किशोर-किशोरियों के सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, बाल विवाह की रोकथाम एवं बाल संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन एवं यूनिसेफ-एगीकोन फंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में कलेक्ट्रेट के मंथन सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें सरपंच, पंचायत सचिव एवं युवोदय के युवा वॉलंटियर्स ने भाग लिया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि बाल विवाह की रोकथाम और बच्चों की सुरक्षा में पंचायतों के साथ युवाओं की सक्रिय भागीदारी



जरूरी है। उन्होंने गांवों में सक्रिय युवा वॉलंटियर्स तैयार कर उन्हें सामुदायिक कल्याण एवं सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया। प्रतिभागियों में महिला एवं बाल विकास विभाग के श्री सत्यनारायण राठौर, यूआरसीसी श्री वासुदेव पांडेय, चाइल्डलाइन की श्री रजनीश सिंह ने नशा मुक्त ग्राम पंचायत के निर्माण के लिए जनप्रतिनिधियों, महिलाओं और युवाओं के सामूहिक प्रयास को जरूरी बताया। जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने

बाल मित्र ग्राम पंचायत की अवधारणा समझाते हुए बच्चों के लिए संवेदनशील एवं सुरक्षित वातावरण विकसित करने पर जोर दिया। कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग के श्री सत्यनारायण राठौर, यूआरसीसी श्री वासुदेव पांडेय, चाइल्डलाइन की श्री रजनीश सिंह ने नशा मुक्त ग्राम पंचायत के निर्माण के लिए जनप्रतिनिधियों, महिलाओं और युवाओं के सामूहिक प्रयास को जरूरी बताया। जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने

गिरधौना में आंगन मिलन उत्सव का आयोजन

- न्यूता भोज के साथ हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा का दिया गया संदेश

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के सेक्टर गिरधौना के आंगनबाड़ी केंद्र खैरी क्रमांक-2 में आंगन मिलन उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्रीमती माधवी वस्त्रकार, जनपद सदस्य श्री रामकुमार सिंगरील, सरपंच श्रीमती राजकुमारी सोनवानी, पंच श्री प्रेमलाल सिंगरील सहित रोहित, नीलसरोज सिंगरील, लक्ष्मण धुर्वे एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती कमलेश कौशिक, आंगनबाड़ी सहायिका श्रीमती दीपा मेहर एवं मितानिन श्रीमती शैली मेहर को



स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं महतारी वंदन योजना की हिताग्राही श्रीमती किरण मानिकपुरी को योजना से प्राप्त राशि का उपयोग पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं में करने के लिए सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की हिताग्राही श्रीमती सुखमती मरकाम को भी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अवसर पर जनपद

आंगनबाड़ी-एक मुनगा पेड़ थीम के तहत जनपद अध्यक्ष श्रीमती माधवी वस्त्रकार एवं जनपद सदस्य श्री रामकुमार सिंगरील द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में मुनगा पौधे का रोपण किया गया। मुनगा का पौधा पोषण की दृष्टि से उपयोगी होने के साथ-साथ आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों एवं परिवारों को पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक करने में भी सहायक होगा। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग से परियोजना अधिकारी श्री अमित कुमार भारत, पर्यवेक्षक श्रीमती रेखा दीवान सहित विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। आंगन मिलन उत्सव के माध्यम से जनप्रतिनिधियों, विभागीय अमले, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों के बीच सहभागिता को बढ़ावा मिला तथा बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं के पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इसी क्रम में एक

नहरों के अंतिम छोर तक पहुंचा पानी, किसानों की खेती को मिली मजबूती



- आमाचुवा और लोवर मनियारी योजना से 2,197 हेक्टेयर खेतों को सिंचाई का लाभ

- खरीफके साथ रबी के लिए भी पानी, नहरों के सुधार से बढ़ी सुविधाएं

बिलासपुर। खेतों तक पहुंचती सिंचाई की धार तखतपुर क्षेत्र के किसानों के लिए खेती का मजबूत सहारा बन रही है। आमाचुवा जलाशय और लोवर मनियारी व्यपवर्तन योजना से 2,197 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई का लाभ मिल रहा है। नहरों के सुदृढीकरण से अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था बेहतर हुई है। आमाचुवा जलाशय से खरीफके साथ किसानों की मांग के अनुरूप रबी फसल के लिए भी पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्राम बांधा में निर्मित आमाचुवा जलाशय बांधा, जोगीपुर एवं टिंगीपुर के खेतों को सिंचाई का प्रमुख साधन है। वर्ष 2021-22 में मुख्य एवं शाखा नहरों में पक्की परत बिछाने का कार्य पूरा किया गया। इसके बाद इन गांवों की लगभग 578 हेक्टेयर कृषि भूमि तक पर्याप्त पानी पहुंच रहा है।

किसानों को रबी फसल की सिंचाई के लिए भी मांग के अनुसार जलाशय से पानी दिया जा रहा है। इसके अलावा मत्स्य पालन और निस्तार के लिए भी जलाशय का पानी उपयोगी है। आमाचुवा जलाशय की जल भराव क्षमता 17.44 लाख घन मीटर है। इसकी निर्धारित सिंचाई क्षमता 578 हेक्टेयर है। जलाशय से जुड़ी 3.2 किलोमीटर लंबी मुख्य नहर और 3.8 किलोमीटर लंबी शाखा नहर खेतों तक पानी पहुंचाती हैं। बांध की लंबाई 214 मीटर और ऊंचाई 11.88 मीटर है इसी तरह ग्राम खमरिया स्थित लोवर मनियारी व्यपवर्तन योजना से 10 गांवों के किसानों को सिंचाई सुविधा मिल रही है। योजना के अंतर्गत ऊंचाई बढ़ाने और नहरों में पक्की परत बिछाने का कार्य जुलाई 2026 में पूरा हुआ। वर्तमान में योजना से 1,619 हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई हो रही है, जबकि इसकी निर्धारित सिंचाई क्षमता 2,024 हेक्टेयर है। लोवर मनियारी योजना की मुख्य नहर की लंबाई 19.5 किलोमीटर है। इससे जुड़ी तखतपुर लघु नहर 3.3 किलोमीटर और पंडरिया लघु नहर 2.1 किलोमीटर लंबी है। नहरों में सुधार से पानी खेतों तक पहुंचाने की व्यवस्था को मजबूती मिली है। सिंचाई सुविधाओं का यह विस्तार किसानों की फसलों के लिए पानी की जरूरत पूरी करने में मदद कर रहा है।

पितृ पक्ष में रोज करें ये काम

पितृ पक्ष की शुरुआत हो चुकी है। हिंदू धर्म में इस अवधि को पूर्वजों के स्मरण और उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का समय माना जाता है। पितृ पक्ष के दौरान लोग अपने पितरों के लिए श्राद्ध, तर्पण और दान-पुण्य करते हैं। मान्यता है कि इस दौरान श्रद्धा से किए गए धार्मिक कार्यों से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। पितृ पक्ष में सिर्फ श्राद्ध की तिथि पर ही नहीं, बल्कि रोज कुछ छोटे-छोटे काम करने की भी परंपरा है।

पितृ पक्ष में रोज करें पितरों का स्मरण

पितृ पक्ष में सुबह स्नान करने के बाद अपने पितरों का स्मरण करना चाहिए। परिवार के जिन पूर्वजों का निधन हो चुका है, उन्हें श्रद्धा से याद करें। उनके नाम का स्मरण करते हुए भगवान से उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना करें। धार्मिक मान्यता में पितृ पक्ष का सबसे बड़ा भाव ही पूर्वजों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता से जुड़ा माना जाता है।

तर्पण करने की परंपरा

पितृ पक्ष में तर्पण का विशेष महत्व माना गया है। परिवार की परंपरा के अनुसार जल में काले तिल मिलाकर पितरों को तर्पण किया जाता है। तर्पण करते समय पितरों का स्मरण किया जाता है। अगर घर में तर्पण

पितरों का मिलता है आशीर्वाद



की विधि को लेकर जानकारी नहीं है तो किसी जानकार व्यक्ति या पुरोहित से विधि समझकर ही करें।

कौए और दूसरे जीवों को भोजन

श्राद्ध से जुड़ी परंपराओं में कौए को भोजन कराने का भी विशेष उल्लेख मिलता है। कई परिवारों में श्राद्ध का भोजन सबसे पहले कौए, गाय, कुत्ते और दूसरे जीवों को खिलाने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता में इन्हें पितरों से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि भोजन कराते समय पशु-पक्षियों के लिए सुरक्षित और उचित भोजन ही देना चाहिए।

सामर्थ्य के अनुसार दान करें

पितृ पक्ष में दान का भी विशेष महत्व बताया गया है। अपनी क्षमता के

अनुसार अन्न, वस्त्र, फल, अनाज या जरूरत की दूसरी चीजों का दान किया जा सकता है। जरूरी नहीं कि दान बहुत बड़ा हो। श्रद्धा से किया गया छोटा दान भी धार्मिक परंपरा में महत्वपूर्ण माना जाता है। जरूरतमंद व्यक्ति की वास्तविक जरूरत को ध्यान में रखकर मदद करना बेहतर रहता है।

जरूरतमंद को भोजन कराएं

पितृ पक्ष में अपनी क्षमता के अनुसार किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन कराना शुभ माना जाता है। भोजन सात्विक और सम्मानपूर्वक कराया जाना चाहिए। कई परिवारों में श्राद्ध के दिन ब्राह्मण भोजन कराने की भी परंपरा है। इसके अलावा गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन, अन्न या जरूरी सामान देना भी दान-पुण्य का हिस्सा माना जाता है।



आज का राशिफल

मेघ राशि - मेघ राशि वालों को अक्टूबर में कामकाज से जुड़े फैसले सोच-समझकर लेने चाहिए। जल्दबाजी में निवेश या बड़ा आर्थिक फैसला लेने से बचें, कार्यस्थल पर किसी सहकर्मी से मतभेद हो सकता है। परिवार में छोटी बात को लेकर तनाव बढ़ाने के बजाय बातचीत से मामला सुलझाने की कोशिश करें।

वृषभ राशि - मिथुन राशि के जातकों के लिए खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी रहेगा। आमदनी के साथ खर्च भी बढ़ सकता है। उधार देने या बिना पूरी जानकारी के किसी आर्थिक योजना में पैसा लगाने से बचें। प्रेम और पारिवारिक रिश्तों में भी गलतफहमी को बढ़ने न दें, किसी निर्णय को लेकर उर महसूस हो तो भी धैर्य न खोएं और दूसरों की बातों में आकर जल्दबाजी न करें।

मिथुन राशि - मिथुन राशि के लिए कल महीने का अंतिम दिन मिलाजुला रहेगा। आपकी कमाई तो बनी रहेगी लेकिन खर्च भी साथ-साथ चलता रहेगा। हृदय भाव में चंद्रमा के आने से दिन का दूसरा भाग मानसिक उलझन दे सकता है। रोहत का भी आपको ध्यान रखना होगा। जीवनसाथी के रोहत को लेकर भी आपको ध्यान देना होगा। कुछ पारिवारिक कार्यों की वजह से आपको अपनी योजना और कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ सकता है।

कर्क राशि - कर्क राशि के लोगों के लिए कल 30 सितंबर का दिन लाभदायक रहेगा। राशि स्वामी चंद्रमा के उच्च के होने से आपका मनोबल ऊंचा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको सफलता मिलेगी। सरकारी क्षेत्र के काम में भी दिन के दूसरे भाग में आप सफलता प्राप्त कर पाएंगे। कोई नया अवसर भी आपके सामने आ सकता है। कर्माई में भी वृद्धि होगी। अपने लिए आम कुछ खरीदारी भी करेंगे जिससे आपको प्रसन्नता होगी।

सिंह राशि - सिंह राशि के लोगों के लिए सितंबर महीने का अंतिम दिन सामान्य रूप से अनुकूल रहेगा। आपकी राशि से दूसरे भाग में सूर्योदय और कर्म भाव में चंद्रमा का गोचर होने से आपका काम भी तेज चलेगा और दिन के दूसरे भाग में आपकी कमाई भी बढ़ेगी। पिता और पारिवारिक संबंधियों से आपको सहयोग मिलेगा। सरकारी योजनाओं में भी आपको फायदा मिल सकता है। सामाजिक क्षेत्र में आपको मान सम्मान मिलेगा और कुछ नए संपर्क भी बनेंगे।

कन्या राशि - कन्या राशि के जातकों के लिए कल 30 सितंबर का दिन आर्थिक रूप से अनुकूल और सुखद रहेगा। आपका प्रभाव और सम्मान बढ़ेगा और आपका मनोबल भी ऊंचा रहेगा। आपको भाग्य कुछ नए अवसर भी देगा जिससे आपको भविष्य में भी लाभ मिलने का संयोग बनेगा। परिवार का सफाई और सहयोग बना रहेगा। आपको पिता और घर के बड़ों से सहयोग मिलेगा। आपको कोई उपहार भी मिल सकता है। कोई दान पुण्य भी आपके हाथों संभव है।

तुला राशि - तुला राशि के जातकों के लिए कल 30 सितंबर का दिन सामान्य रूप से अच्छा है। दिन के पहले भाग में सफल चंद्रमा आपके लिए लाभ और आनंद का संयोग निमित्त करेंगे। लेकिन दिन के दूसरे भाग में आपको कुछ अधिक परिश्रम करना होगा। कुछ नई जिम्मेदारी भी आपके पास आ सकती है। आपकी राशि में शुक्र और बुध की युति से आपकी कमाई तो बनी रहेगी।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के लिए दिन अच्छा है और दिन का दूसरा भाग आपके लिए विशेष रूप से अनुकूल रहेगा। नौकरी में आपकी स्थिति बेहतर होगी और आपको कुछ नए अवसर भी प्राप्त होंगे। आपको अपने राक्षसिक फैसले और कार्यनुयय का फायदा मिलेगा। खेल और प्रतियोगिता में आपका प्रदर्शन बेहतर होगा। जब मैं धन आने से केहरे पर प्रसन्नता भी झलकेगी।

धनु राशि - धनु राशि के जातकों के लिए कल का दिन मिश्रण रहने वाला है। दिन का पहला भाग अनुकूल रहेगा। आप सुख और आनंद के साथ परिवार के साथ वक्त बिता सकते हैं लेकिन दिन के दूसरे भाग में आपके ऊपर काम का अधिक दबाव रह सकता है। किसी बात को लेकर मानसिक उलझन भी रहेगी। लेकिन आपके लिए जरूरी है वाणी पर संयम रखें और क्रोध को हावी न होने दें।

मकर राशि - मकर राशि के जातकों के लिए कल सितंबर महीने का अंतिम दिन सुखद और शुभ रहेगा। दिन का दूसरा भाग आपके लिए उत्साहवर्धक रहेगा। जब मैं खनखनाते हुए देवी लक्ष्मी की कृपा आने से मन आनंदित होगा। कार्यक्षेत्र में भी अनुकूलता बनी रहेगी। चंद्रमा का गोचर आपकी राशि से चतुर्थ उपरत पंचम में होने से कमाई के साथ आपके लिए सुख का भी संयोग बना हुआ है।

कुंभ राशि - 30 सितंबर का दिन कुंभ राशि के लिए लाभदायक है। आपको अपनी चतुर बुद्धि का फायदा मिलेगा। आप नवीन तकनीक और ज्ञान से लाभ प्राप्त कर पाएंगे। भाग्य आपके लिए लाभ का सुजन करेगा। जो जाकर बंजीनियरिंग और शोध के काम से जुड़े हूए हैं उनके लिए कल का दिन उपलब्धि भरा रहेगा। आपको कोई लाभदायक अवसर मिल सकता है। आपकी कोई महत्वाकांक्षा पूरी हो सकती है।

मीन राशि - मीन राशि के जातकों के लिए कल यानी 30 सितंबर का दिन सामान्य रहेगा। आपकी किसी पारिवारिक समस्या का समाधान होगा, किसी बुजुर्ग और अनुभवी व्यक्ति से आपको सहयोग मिल सकता है। दिन के पहले भाग में चंद्रमा दूसरे भाव में होकर आपको किसी बात में उलझा सकते हैं और आप अनिर्णय की स्थिति में रहेंगे लेकिन दिन के दूसरे भाग में तृतीय भाव में उच्च का चंद्रमा आपके मनोबल को बढ़ाएगा।

महिलाएं अपने हाथों और नाखूनों को खूबसूरत बनाने के लिए नेल पेंट का इस्तेमाल करती हैं। किसी भी शरीर-व्याह, पार्टी या त्योहार से पहले वे अपने कपड़ों के हिसाब से मैचिंग नेल पेंट जरूर लगाती हैं। हालांकि, नेल पॉलिश लगाने के बाद सबसे बड़ी झंझट इसे सुखाना होता है। अक्सर जल्दबाजी में और देर से सुखने के कारण नेल पेंट लगाने की पूरी मेहनत पर पानी फिर जाता है और नाखूनों पर भेरे निशान भी दिखने लगते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही कुछ होता है और हर बार नेल पेंट खराब हो जाती है, तो अब आप घर पर ही एक खास ट्रिक आजमाकर अपनी नेल पॉलिश को परफेक्ट बना सकती हैं। नेल पॉलिश सुखाने का तरीका

बर्फ वाले पानी की आसान ट्रिक
अगर आप भी अपनी पसंद के कलर की कोई भी नेल पेंट लगा रही हैं और चाहती हैं कि यह बिना किसी निशान के तुरंत सूख जाए, तो बर्फ वाला यह उपाय जरूर आजमाएं। इसके लिए इन आसान स्टेप्स को फॉलो करें – इस ट्रिक को आजमाने के लिए सबसे पहले नाखूनों पर नेल पॉलिश का एक पतला कोट लगाएं। इसे लगभग 1 मिनट तक खुली हवा में थोड़ा सा सेट होने दें। इसके बाद एक कटोरी में ठंडा पानी लें और उसमें बर्फ के 6 से 7 टुकड़े डाल दें। अब अपनी उंगलियों को बर्फ वाले पानी में 30 से 40 सेकंड के लिए डुबोकर रखें। बर्फ की ठंडक नेल पॉलिश के लिक्विड को तुरंत जमाने में मदद करती है।

आइस वॉटर ट्रिक के बेहतरीन फायदे
अगर आप इस ट्रिक से अपनी नेल पेंट सुखाती हैं, तो इससे एक नहीं बल्कि कई फायदे होते हैं अगर आपको नेल पेंट लगाने के तुरंत बाद कहीं बाहर जाना है, तो यह ट्रिक आपका कीमती समय बचाती है। बर्फ का पानी नेल पॉलिश की चमक को लॉक कर देता है, जिससे नेल पेंट पर उंगलियों के निशान या स्क्रैच नहीं पड़ते।

अलमारी में रखे स्वेटर और कोट से बिना धोए हटाएं बदबू

सर्दियां आते ही अलमारी में रखे ब्लौजर, कोट, कार्डिगन और स्वेटर एक बार फिर काम आने लगते हैं। लेकिन कई महीनों तक बंद रहने के कारण इन कपड़ों में धूल, हल्की सीलन और अलमारी की गंध आ सकती है। ऐसे कपड़ों को तुरंत पहनना भी अच्छा नहीं लगता। वहीं ऊनी और महंगे कपड़ों को बार-बार धोना भी सही नहीं रहता। ज्यादा पानी, रंगद या गलत तरीके से सफाई करने पर कपड़े का आकार और लुक बदल सकता है। हर बार ड्राई क्लीनिंग करना भी ज़रूरी नहीं है। कुछ आसान घरेलू तरीकों से आप इन कपड़ों को पहनने से पहले फ्रेश कर सकती हैं।

बैकिंग सोडा से दूर करें बंद गंध
अगर स्वेटर या ब्लेजर में अलमारी की गंध आ रही है, तो बैकिंग सोडा काम आ सकता है। कपड़े को किसी साफ और सूखी जगह पर फैलाएं। अब छलनी की मदद से थोड़ी मात्रा में बैकिंग सोडा कपड़े पर हल्का-हल्का छिड़कें। इसे करीब 20 से 30 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद मुलायम कपड़े वाले ब्रश से धीरे-धीरे बैकिंग सोडा हटा दें। इससे कपड़े में मौजूद हल्की गंध और नमी को कम करने में मदद मिल सकती है।

भाप से कपड़े को करें फ्रेश
ब्लेजर या कोट को हैंगर पर टांगकर स्टीमर या स्टीम आयरन की भाप दी जा सकती है। सोडा हटा दें। इससे कपड़े में मौजूद हल्की गंध और नमी को कम करने में मदद मिल सकती है।

भाप से कपड़े को करें फ्रेश
ब्लेजर या कोट को हैंगर पर टांगकर स्टीमर या स्टीम आयरन की भाप दी जा सकती है। सोडा हटा दें। इससे कपड़े में मौजूद हल्की गंध और नमी को कम करने में मदद मिल सकती है।

4. नई और अनसुनी चीजों पर रिसर्च करना
दुनिया के बारे में जानने की जिज्ञासा इंसान को हमेशा दूसरों से आगे रखती है। इंटरनेट पर अलग-अलग विषयों के बारे में गहराई से पढ़ना आपकी जानकारी के दायरे को बहुत बड़ा बना देता है।

5. पॉडकास्टिंग या ऑडियो जर्नलिंग
अगर आपको RJ का काम पसंद है और आप अपनी आवाज मेको सुनना और रिकॉर्ड करना पसंद है तो यहां दिए गए पॉडिंग आपके काम आ सकते हैं– अपनी आवाज में थीकंग रिकॉर्ड करना आपकी बोलचाल की शैली को और संवारता है। बातचीत के दौरान शब्दों के सही चुनाव में मदद मिलती है। अपनी भावनाओं और विचारों को साफ रूप से रखने का अभ्यास होता है।

6. नई भाषा सीखना (बायलिंगुअल बनना)
एक से ज्यादा भाषाओं का ज्ञान दिमाग के लिए बेहतरीन कसरत की तरह है। किसी नई भाषा को सीखने से याददाश्त तेज होती है और अलग-अलग संस्कृतियों को समझने का मौका मिलता है।

7. स्ट्रेटजी गेम्स
शतरंज, पहेलियां और योजना बनाने वाले खेल आपकी फैसले लेने की क्षमता को बेहतर करते हैं। ऐसे गेम खेलने से मुश्किल परिस्थितियों में सही और सटीक कदम उठाने की समझ पैदा होती है।

टाइमपास ही नहीं, दिमाग को तेज भी करती हैं ये हॉबीज

शौ केवल समय बिताने का जरिया नहीं होते, बल्कि ये इंसान के व्यक्तिगत गिस्तेमाल का एक बेहतरीन माध्यम भी हैं। अपनी पसंद और आदतों में थोड़े से बदलाव करके आप अपने सोचने के नजरिए में बड़ा सुधार ला सकते हैं। सही हॉबीज का चुनाव आपको अधिक समझदार और मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। ऐसे में इनके बारे में पता होना जरूरी है। जानते हैं इन हॉबीज के बारे में...

स्मार्ट पर्सनैलिटी के लिए शौक

अगर आप अपनी पर्सनैलिटी को एक नया रूप देना चाहते हैं, तो ये 7 क्रिएटिव हॉबीज आपकी काफी मदद कर सकती हैं।

- पॉटररी और स्कल्पिंग**
यह एक ऐसा क्रिएटिव वर्क है जो एकाग्रता और धैर्य को बढ़ाता है। जब आप अपने हाथों से किसी चीज को आकार देते हैं, तो इससे आपकी मानसिक शांति और क्रिएटिव थिंकिंग बेहतर होती है।
- झाभा वर्कशॉप या इम्प्रोव कॉमेडी**
जिन लोगों को कॉमेडी में इंटरस्ट है, वे इस फील्ड में अपना शौक जमा सकते हैं– सेंस ऑफ ह्यूमर किसी भी व्यक्तित्व में जान फूंक देती है। तुरंत सोचने और प्रतिक्रिया देने की क्षमता का विकास होता है। लोगों के सामने बोलने का झिझक दूर होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है।
- किताबों, फिल्मों या प्रॉडक्ट्स का रिव्यू लिखना**
अपने विचारों को साफ रूप से व्यक्त करना एक बड़ी कला है। जब आप किसी फिल्म, किताब या चीज का बारीक विश्लेषण करके लिखते हैं, तो आपकी क्रिटिकल थिंकिंग मजबूत होती है।

बनाएं आलू की खस्ता और कुरकुरी कचौड़ी

आलू की कचौड़ी खाने में जितनी स्वादिष्ट लगती है, इसे बेचना उतना ही झंझट भरा हो सकता है। अगर आप भी कचौड़ी बेचने की मेहनत से बचना चाहते हैं, तो यह आसान तरीका जरूर ट्राई करें। इसमें न कचौड़ी बेचने की जरूरत होगी और न ही ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। बाहर से कचौड़ी एकदम खस्ता और कुरकुरी बनेगी, जबकि अंदर से मसालेदार आलू की स्वादिष्ट स्टफिंग हर बाइट को मजेदार बना देगी।

बनाने के लिए सामग्री:
2 कप मैदा, 3 बड़े चम्मच सूजी, 3 बड़े चम्मच तेल या मोयन, स्वादानुसार नमक, जरूरत के अनुसार पानी, तलने के लिए तेल, आलू की स्टफिंग के लिए, 4 उबले हुए आलू, 1 चम्मच सौंफ, चम्मच जीरा, चम्मच अजवाइन, 1 चम्मच धनिया पाउडर, चम्मच लाल मिर्च पाउडर, चम्मच अमचूर पाउडर, 1-2 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, थोड़ा सा गरम मसाला, स्वादानुसार नमक, हरा धनिया

बनाने की विधि:
सबसे पहले एक बड़े बाउल में मैदा, सूजी, नमक और मोयन डालकर अच्छी तरह मिलाएं। हथेली से मिश्रण को रगड़कर देखें। अगर मिश्रण मुड़ी में दबाने पर बंध जाए, तो मोयन सही है। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर नरम आटा गूंथ लें। आटे को ढक्कर करीब 15-20 मिनट के लिए रख दें। अब उबले आलू छीलकर अच्छी तरह मेश कर लें। पैम में थोड़ा तेल गर्म करके जीरा, सौंफ और अजवाइन डालें। फिर हरी मिर्च डालकर भूनें। इसमें मेश किए हुए आलू, धनिया पाउडर, लाल मिर्च, अमचूर, गरम मसाला और नमक डालें। मसाले को अच्छी तरह मिलाकर 2-3 मिनट भूनें और आखिर में हरा धनिया डाल दें। अब आटे की छोटी लोई तोड़ें और हथेली पर हल्का दबाकर उसमें आलू की स्टफिंग रखें। किनारों को बंद करके हाथ से हल्के दबाव के साथ कचौड़ी का आकार दें। इसे बेचना नहीं है। इसी तरह सभी कचौड़ियां तैयार कर लें। कड़ाही में तेल मध्यम से हल्का गर्म करें। कचौड़ियों को डालकर धीमी-मध्यम आंच पर सुनहरा और कुरकुरा होने तक तले। तैयार कचौड़ियों को टिश्यू पर निकालें और गरमा-गरम आलू की कचौड़ी वटनी या आलू की सब्जी के साथ परोसें।

नेल पॉलिश सुखाने का जाने आसान तरीका

नेल पेंट सुखाने के लिए बर्फ वाले पानी का इस्तेमाल सबसे फास्टमंद हो सकता है। लंबे समय तक इंतजार करने के बजाय आप केवल 30 सेकंड के अंदर अपनी नेल पॉलिश को पूरी तरह सुखाकर रोट कर सकती हैं। आइए जानते हैं इस मैजिकल ट्रिक के बारे में।



इस ट्रिक की मदद से आप बिना किसी अतिरिक्त खर्च के घर पर ही पॉलर जैसी स्मूथ फिनिशिंग पा सकती हैं। नेल पॉलिश लगाने के बाद अगर आप भी घंटों बैठकर अपने नाखूनों को सुखाती हैं, तो अब परेशान होने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। यह सिंपल आइस वॉटर ट्रिक आपके नाखूनों की नेल पॉलिश को तुरंत सुखाने और हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में सबसे ज्यादा मददगार साबित होगी।

अलसी खाने के फायदे

अलसी एक बेहद पौष्टिक सुपरफूड है, जिसे सुबह खाली पेट खाने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। नियमित रूप से अलसी का सेवन पाचन तंत्र को मजबूत करता है, दिल को स्वस्थ रखता है और वजन नियंत्रित करने में भी सहायक होता है। यह त्वचा और बालों की खूबसूरती बढ़ाने के साथ-साथ ब्लड शुगर और हार्मोन संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए अलसी को अपनी सुबह की दिनचर्या में शामिल करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

लिफ्ट रोलर पर खुली हवा में टांग दें। अगर मौसम ठीक है तो हल्की धूल में भी थोड़ी देर रखा जा सकता है। इससे कपड़ों में बंद गंध कम करने में मदद मिल सकती है। ध्यान रखें कि हर ऊनी कपड़े को घर पर धोना या साफ करना सही नहीं होता। अगर कपड़े के लेबल पर केवल ड्राई क्लीन लिखा है, कपड़ा बहुत महंगा है या उस पर खास काम है, तो उसे घर पर प्रयोग करने के बजाय प्रोफेशनल क्लीनिंग कराना बेहतर रहेगा।

लिंट रोलर से हटाएं धूल और रोएं

स्वेटर, कोट और ब्लेजर पर अक्सर छोटे-छोटे रोएं, बाल और धूल चिपक जाती है। इन्हें हटाने के लिए लिंट रोलर काफी आसान तरीका है। कपड़े पर रोलर को हल्के हाथों से ऊपर से नीचे की तरफ चलाएं। अगर लिंट रोलर नहीं है, तो मुलायम कपड़ी वाला ब्रश भी इस्तेमाल कर सकती है।

सफाई के बाद कपड़ों को खुली हवा दें
सफाई के बाद गर्म कपड़ों को कुछ देर के

सफाई के बाद कपड़ों को खुली हवा दें
सफाई के बाद गर्म कपड़ों को कुछ देर के

सुबह खाली पेट अलसी खाने के फायदे

अलसी एक बेहद पौष्टिक सुपरफूड है, जिसे सुबह खाली पेट खाने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। नियमित रूप से अलसी का सेवन पाचन तंत्र को मजबूत करता है, दिल को स्वस्थ रखता है और वजन नियंत्रित करने में भी सहायक होता है। यह त्वचा और बालों की खूबसूरती बढ़ाने के साथ-साथ ब्लड शुगर और हार्मोन संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए अलसी को अपनी सुबह की दिनचर्या में शामिल करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।



- पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है**
अलसी में घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह का फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है। यह आंतों की सफाई में मदद करता है और कब्ज, गैस व एसिडिटी जैसी समस्याओं को कम करता है। नियमित सेवन से पेट हल्का और स्वस्थ महसूस होता है।
- वजन घटाने में सहायक**
अलसी खाने से लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती। इसमें मौजूद फाइबर मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है और ओवरईटिंग से बचाता है। यही कारण है कि यह वजन घटाने और फिट रहने के लिए एक अच्छा विकल्प माना जाता है।
- दिल को स्वस्थ रखता है**
अलसी में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड और लिपिड्स दिल की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। यह खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल (HDL) को बढ़ाने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से हृदय रोगों का खतरा काफी हद तक कम हो सकता है।
- त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद**
अलसी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट ओमेगा-3 फैटी एसिड और ओमेगा-6 फैटी एसिड त्वचा के अंदर से पोषण देते हैं। इससे त्वचा में निखार आता है और झड़पने से कम होती है। साथ ही यह बालों को मजबूत, घना और चमकदार बनाने में भी मदद करता है, जिससे बालों का झड़ना कम होता है।
- ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है**
अलसी का सेवन ब्लड शुगर लेवल को संतुलित रखने में मदद करता है, इसलिए यह डायबिटीज के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद ओवरईटिंग से बचाता है। यही कारण है कि यह वजन घटाने और फिट रहने के लिए एक अच्छा विकल्प माना जाता है।
- हार्मोन संतुलन में मददगार**
अलसी में लिग्नान्स नामक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर में हार्मोन संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं। खासकर महिलाओं के लिए यह बहुत लाभकारी है, क्योंकि यह पॉरियड्स से जुड़ी समस्याओं और हार्मोनल असंतुलन को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।

प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में पहुंचे दुर्ग जिले के सांसद विजय बघेल

2 वर्षों की उपलब्धियां गिनाई, क्षेत्र के विकास पर दिया जोर

भिलाई नगर। न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर द्वारा नेहरू भवन, सुपेला में आयोजित 'प्रेस से मिलिए' कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल भिलाई के पत्रकारों से रू-ब-रू हुए। इस दौरान उन्होंने भिलाई की पत्रकार बिरादरी के बीच अपने इस बार के संसदीय कार्यकाल के 2 वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। सांसद विजय बघेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। साथ ही आने वाले दिनों में दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के विकास का विजन भी बताया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद विजय बघेल द्वारा मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान प्रेस क्लब के अध्यक्ष अनिल गुप्ता, महासचिव दिलीप शर्मा उपाध्यक्ष जय प्रकाश आर्य सहित प्रेस क्लब के अन्य सदस्यों ने सांसद का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। इसके बाद अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। प्रेसक्लब के उदयन और महत्वपूर्ण सामग्री के लिए अध्यक्ष ने सांसद बघेल को एक मांगपत्र भी सौंपा। मांगपत्र पर



सांसद ने सकारात्मक प्रयास करने का आश्वासन दिया।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए सांसद विजय बघेल ने कहा कि पत्रकार समाज की घटनाओं और जनसमस्याओं को प्रमाणिकता के साथ सामने लाने का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि दुर्ग लोकसभा क्षेत्र एक व्यापक क्षेत्र है, जिसमें चार नगर निगमों सहित शहरी और ग्रामीण दोनों अंचल शामिल हैं। केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के

लिए जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि और प्रशासन मिलकर निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

सांसद ने बताया कि भिलाई औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण यहां श्रमिकों की सुविधाओं, रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा को विशेष प्राथमिकता दी गई है। उनके कार्यकाल के दौरान श्रमिकों के अस्पताल सुधार, केंद्रीय विद्यालय तथा नवोदय विद्यालय जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट आगे बढ़े हैं। इसके साथ ही चंद्रलाल चंद्राकर अस्पताल में सीटों की वृद्धि के लिए केंद्रीय स्तर पर पहल की गई, जिसके

सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

पर्यावरण के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए सांसद बघेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'जल ही जीवन है' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में जल संकट से बचने के लिए हर परिवार को अपने घरों में वाटर हार्वैस्टिंग सिस्टम लगाना चाहिए। नगर निगम क्षेत्र में इसके लिए पर्याप्त फंड उपलब्ध है। साथ ही उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़कर वृक्षारोपण करने की अपील की।

श्रेणीय युवाओं और स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सांसद खेल स्पर्धाओं और 'सांसद मेला-मंडई' जैसे आयोजनों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इनमें बड़ी संख्या में पंजीयन हुआ है। दिल्ली में क्षेत्र की समस्याओं, विकास कार्यों और रेलवे से जुड़ी यात्री सुविधाओं के त्वरित निराकरण के लिए वे संबंधित मंत्रालयों से लगातार संपर्क में रहते हैं। कार्यक्रम के आखिर में न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर की ओर से सांसद बघेल का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। आभार प्रदर्शन महासचिव दिलीप शर्मा एवं कार्यक्रम का संचालन डीके साहू ने किया।

सेवा सेतु शिविर में नागरिकों को मिल रही विभिन्न योजनाओं की सुविधाएं, तीन स्थानों पर लगे विभागीय काउंटर



भिलाईनगर। राज्य शासन की 25 वर्षों की जनसेवा एवं विकसित भारत 2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने तथा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों से नागरिकों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। आज निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 22 लोकांगन वैशाली नगर, वार्ड क्रमांक 33 मंगल भवन बैकुण्ठधाम एवं वार्ड क्रमांक 42 श्रीराम वाटिका डेम शेड में शिविर आयोजित किया गया। सेवा सेतु शिविर का उद्देश्य नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा योजनाओं से संबंधित जानकारी एवं आवश्यक प्रक्रिया को सरल बनाना है। शिविर में नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विभागों के काउंटर लगाए गए हैं, जहां पात्र हितग्राही अपनी

आवश्यकता के अनुसार आवेदन एवं पंजीयन संबंधी कार्य करा रहे हैं। शिविर में पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, पीएम स्वनिधि, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन, आयुष्मान कार्ड, स्वास्थ्य जांच एवं उपचार, आधार अपडेशन, श्रमिक कार्ड पंजीयन, दिव्यांगजनों के लिए उपकरण, महिला एवं बाल विकास, पीएम सूर्यधर योजना तथा राजस्व विभाग दुर्ग सहित विभिन्न सेवाओं के काउंटर लगाए गए हैं।

जामुल में महतारी घाट निर्माण का शुभारंभ, लागत 6.17 लाख तालाब स्थल पूजन संपन्न



जामुल। नगर पालिका परिषद जामुल द्वारा महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। "वार्ड क्रमांक 17 के तालाब में महतारी घाट निर्माण कार्य का स्थल पूजन किया गया। यह स्थल पूजन नगर पालिका अध्यक्ष माननीय श्री ईश्वर सिंह ठाकुर जी एवं वार्ड 17

की पार्षद श्रीमती दुर्गा वैष्णव जी के द्वारा विधि-विधान से किया गया। नया अध्यक्ष श्री ठाकुर ने इस अवसर पर कहा कि धार्मिक पर्वों के दौरान माताओं-बहनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए महतारी घाट का निर्माण कराया जा रहा है। यह घाट वार्डवासियों के लिए एक बड़ी

सौगात होगी। स्थल पूजन कार्यक्रम के दौरान पालिका के अभियंता विनायक गर्ग, युवराज वैष्णव, धनराज चक्रवर्ती, बाली बर्मन सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। वार्डवासियों ने इस पहल के लिए नगर पालिका अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद का हृदय से आभार व्यक्त किया।

रेस से मिलिए कार्यक्रम में पहुंचे दुर्ग जिले के सांसद विजय बघेल, 2 वर्षों की उपलब्धियां गिनाई, क्षेत्र के विकास पर दिया जोर



महासचिव दिलीप शर्मा सहित प्रेस क्लब के अन्य सदस्यों ने सांसद का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। इसके बाद अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। प्रेसक्लब के उदयन और महत्वपूर्ण सामग्री के लिए अध्यक्ष ने सांसद बघेल को एक मांगपत्र भी सौंपा। मांगपत्र पर सांसद ने सकारात्मक प्रयास करने का आश्वासन दिया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए सांसद विजय

बघेल ने कहा कि पत्रकार समाज की घटनाओं और जनसमस्याओं को प्रमाणिकता के साथ सामने लाने का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि दुर्ग लोकसभा क्षेत्र एक व्यापक क्षेत्र है, जिसमें चार नगर निगमों सहित शहरी और ग्रामीण दोनों अंचल शामिल हैं। केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि और

सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा नेताओं ने वृद्धाश्रम में किया फल वितरण, 'सेवा मेरा योगदान' के माध्यम से बुजुर्गों के साथ बिताया समय, सेवा का लिया संकल्प

दुर्ग। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत दुर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में पुलगांव स्थित वृद्धाश्रम में फल वितरण एवं सेवा कार्य किया गया। भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने वृद्धजनों से मुलाकात कर उनका कुशलप्रेम जाना और उनके साथ आत्मीय समय बिताया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, लोकसभा सांसद श्री विजय बघेल, महापौर श्रीमती अलका बाघमार, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती चंद्रिका चंद्राकर, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री प्रितपाल बेलचंदन, मंत्री श्री रौलेन्द्र शैंडे एवं मंडल भाजपा अध्यक्ष श्री



कौशल साहू सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कैबिनेट मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि सेवा भारतीय संस्कृति का मूल भाव है। समाज के बुजुर्ग हमारे अनुभव और संस्कारों की धरोहर हैं।

उनके बीच समय बिताना और उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना हम सभी का सामाजिक दायित्व है। सेवा कार्यक्रमों के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता समाज के बीच पहुंचकर सेवा कार्य में सहभागी बन रहे हैं। लोकसभा सांसद श्री विजय बघेल ने कहा कि वृद्धजनों का सम्मान और उनकी देखभाल हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। सेवा केवल किसी वस्तु का वितरण करना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के साथ अपनत्व और संवेदना के साथ खड़ा

होना है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से कार्यकर्ताओं द्वारा निरंतर सेवा गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जिला भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि 'सेवा मेरा योगदान' के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता समाज के बीच पहुंचकर सेवा कार्यों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रहे हैं। वृद्धाश्रम में फल वितरण का उद्देश्य बुजुर्गों के साथ आत्मीयता के कुछ पल बिताना और उन्हें यह एहसास कराना है कि समाज उनके साथ खड़ा है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में आगे भी विभिन्न सेवा गतिविधियां निरंतर जारी रहेंगी। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में सेवा कार्य से जुड़े सदस्य उपस्थित रहे।

लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने पर स्कूल बस चालकों के लाइसेंस होंगे निरस्त

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क दुर्घटना की रोकथाम पर हुई रायशुमारी



दुर्ग। जिले में लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने पर स्कूल बस चालकों की लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाही होगी। इसी प्रकार पुलिस विभाग की आकस्मिक चेकिंग के दौरान वाहन चालक पर मादक पदार्थ सेवन की पुष्टि होने पर लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कार्यवाही के उक्त निर्देश दिए। विगत सोमवार को कलेक्टरेट सभा कक्ष में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में यातायात व्यवस्थाओं में सुधार एवं सड़क दुर्घटनाओं के रोकथाम हेतु

को और सतुद्धर्मा बनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर विचार-विमर्श कर कई महत्व निर्णय लिये गये हैं। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-53 में खराब सड़कें, गड्ढों की सुधार एवं मरम्मत कार्य प्रगति पर हैं। ड्रमर कार्य अक्टूबर माह में किया जाएगा। भारतमाला निर्माण में बीएसपी के लिए कनेक्टिविटी दिये जाने की विचार पर अधिकारियों को सहमति पत्र प्रस्तुत करने कहा गया। नगर निगम दुर्ग अंतर्गत डिवाइडर निर्माण एवं बोर्ड मार्किंग, प्रकाश व्यवस्था, गड्ढे आदि की भराई आगामी 10 दिनों में पूर्ण कर दिया जाएगा। इरोखा बोगदा पुलिया से कातुलबोर्ड

चुनाव आयोग के संयुक्त बयान से कांग्रेस और विपक्षी इण्डी गठबंधन के झूठ का पर्दाफाश, भ्रम और मनगढ़ंत कहानियों की राजनीति पूरी तरह ध्वस्त

राहुल गांधी को चुनाव आयोग और देश से भी माफी मांगनी चाहिए : विजय बघेल

दुर्ग। दुर्ग लोकसभा के सांसद विजय बघेल ने कहा है कि लगभग सौ बार चुनाव हार चुके कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब बौखलाहट में लगातार देशद्रोही आचरण पर उतारू हो गए हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अगुआई में कांग्रेस अब देश की तमाम संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने, लगातार झूठ और फ्बेब के राजनीति कर देश को बदनाम करने में जुटी हुई है। श्री बघेल भारतीय जनता पार्टी के जिला भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे। सांसद श्री विजय बघेल ने कहा कि देश के मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त द्वय की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस से यह साबित हो गया है कि आयोग में मतभेद संबंधी कांग्रेस के तमाम दावे न केवल खोखले हैं, बल्कि जान-बूझ कर देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और भारत की संवैधानिक व्यवस्था



को कमजोर करने की राहुल गांधी की सोची-समझी साजिश है। केंद्रीय चुनाव आयोग की संयुक्त प्रेस नोट से दूध का दूध और पानी का पानी हो गया है। यह फिर से साबित हो गया है कि कांग्रेस सिर्फ और सिर्फ झूठ, सनसनी और भ्रम फैलाने का काम कर रही है। उसका झूठ फिर से बेनकाब हो गया है। श्री बघेल ने कहा कि अपने संयुक्त बयान में आयोग ने यह स्पष्ट किया है कि एसआईआर समेत सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति

से लिए गए। भारत के चुनाव आयोग की दुनियाभर में साख है। उसकी निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया पर खवाल उठाना विपक्ष की हताशा का प्रतीक है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने आना चाहिए। सांसद श्री विजय बघेल ने कहा कि इस संबंध में अग्रेजी अखबार की रिपोर्ट भी कोरी कल्पना के अलावा कुछ नहीं है। समाचार में कैबिनेट सेक्रेटरी को लिखे जिस पत्र का जिक्र है, वह न तो किसी किसी नीतिगत विषय से संबंधित है, न ही एसआईआर से

और हताशा निकालने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर झूठे आरोप मढ़ने लगती है। निर्वाचन आयोग के स्पष्ट और कड़े वक्तव्य ने विपक्ष के सभी झूठ और दुर्भावनापूर्ण प्रोपेगंडा की हवा निकाल दी है। मुख्य चुनाव आयुक्त जनेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों डॉ. एस. एस. संघु एवं डॉ. विवेक जोशी ने शांतिपूर्ण और सही तरह चुना है, उसके खिलाफ भी कांग्रेस झूठ फैला रही है। फॉर्म-6 के घोषणापत्र समेत अनेक विषयों पर सर्वोच्च न्यायालय से पहले ही पक्ष में निर्णय आ चुका है, फिर भी कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की नाकाम कोशिश करती रहती है। कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाय तथ्यों को सम्मान करना चाहिए। सांसद श्री विजय बघेल ने कहा कि जब भी कांग्रेस जनता की अदालत में पराजित होती है, वह अपनी खोख

में चुनाव प्रसन्न हुए हैं, वे पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र रूप से संपन्न हुए हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जब चुनाव हारते हैं, तो कभी ईवीएम पर, कभी संवैधानिक संस्थाओं पर तो कभी चुनाव आयोग पर झूठे आरोप लगाते हैं। चुनाव आयोग के इस पूर्ण और सर्वसम्मत बयान के बाद कांग्रेस नेतृत्व को देश और संवैधानिक संस्थाओं से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। सांसद श्री विजय बघेल ने कहा कि एक अदालत अपराधी की तरह राहुल गांधी लगातार संविधान का निरादर कर रहे हैं। संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम कर रहे हैं। हर बार और हर मंच पर मुंह की खाते हैं, बार-बार माफी मांगते हैं और फिर भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आते। इसकी जितनी निंदा की जाय वह कम है। इससे पहले ईवीएम पर खवाल उठते थे। उसे 'ब्लैक बॉक्स' कहते थे लेकिन उसी ईवीएम से

जीत कर स्वयं भी सांसद हैं। और अनेक राज्यों में उनकी न केवल सरकार है बल्कि 600 से अधिक विधायक और 99 लोकसभा सदस्य हैं, जो इसी चुनाव प्रक्रिया और इसी ईवीएम से चुन कर आए हैं। जीत जाने पर सरकार भी बनाया, विधायक और सांसद आदि भी बनाया, इसी चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेकर राजनीति करना और उसी पर लगातार प्रहार करना श्री बघेल ने कहा कि वास्तव में कांग्रेस आज राहुल गांधी की अज्ञातता का शिकार होकर पेड़ की उसी खली को काट रही है जिस पर वह बैठी है। दुःखद यह है कि जिस थाली में खाती है, उसी में लगातार छेद करने की कांग्रेस करती है। सांसद श्री बघेल ने कहा कि राहुल गांधी भारत को बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। यही तक कि अमेरिका के दौरे में भी राहुल गांधी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कहा कि भारत में सुप्रीम

कोर्ट और न्यायपालिका स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर पा रही है और उस पर सरकार का कड़ा नियंत्रण है। राहुल गांधी उठी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा सीमा पार की गई ऐतिहासिक 'सर्जिकल स्ट्राइक' को भी खून के दलाली कह देते हैं। शर्मनाक बयान दे दिया था। उनके द्वारा की गई ऐसी हरकतों की एक लंबी सूची है। श्री साय ने कहा कि बात चाहे ईवीएम की हो या कैग की, जाँच एजेंसियों की या फिर कोर्ट की। सबकी अपमानना करने, रीं हाथ पकड़े जाने पर माफ़ी मांग कर भाग खड़े होने और फिर अगले दिन से वही उलल-जुलुल कहते रहने को कांग्रेस ने अपनी नीति बना ली है। दशकों तक देश पर एकछत्र शासन करने वाली कांग्रेस की ऐसी दुर्गति वास्तव में शर्मिदा करती है। श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस को 2018 में इकतरा और ऐतिहासिक बहुमत मिला था।